वर्ष-10 अंक-269 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, गुरुवार 09 जनवरी 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

नगर संस्करण

10

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, आठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर की छापेमारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जिन अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई है, उनमें बंगलूरू की परिवहन संयुक्त आयुक्त शोभा शामिल हैं। कर्नाटक लोकायुक्त ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ

सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। जिन अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई, उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे हैं। जिन अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई है, उनमें बंगलूरू की परिवहन संयुक्त आयुक्त शोभा शामिल हैं। इनके अलावा कदुर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. एस एन उमेश, बसवकल्याण के लघु सिंचाई विभाग के निरीक्षक रवींद्र, खानपुर के तहसीलदार प्रकाश श्रीधर गायकवाड़, तुमकुरु के सेवानिवृत्त सड़क परिवहन अधिकारी एस राजू, गडग नगर पालिका के सहायक कार्यकारी अभियंता हुचेश उर्फ हुचप्पा, बल्लारी के पिछड़ा वर्ग विभाग के कल्याण अधिकारी आर एच लोकेश और रायचूर स्थित बीईएससीओएम कार्यालय के कनिष्ठ अभियंता हुलिराजा शामिल हैं।

असम ने 10 वर्षों में बुनियादी ढांचे में की तेज प्रगति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 36 देशों के राजनयिकों, उद्योग जगत के नेताओं और अन्य हितधारकों के साथ गोलमेज चर्चा में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, राज्य में एक लाख करोड़ रुपये की नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं आ रही हैं। इनमें ब्रह्मपुत्र पर तीन और नए पुल, सिंगापुर सरकार की मदद से गुवाहाटी के आसपास एक सैटेलाइट शहर, गुवाहाटी से भूटान के गेलेफू तक रेलवे लाइन आदि शामिल हैं। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम राज्य पिछले 10 वर्षों में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है।

राजनीतिक फायदे के लिए लगाए जा रहे आरोप', अन्ना विश्वविद्यालय मामले पर विधानसभा में बोले सीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीएम स्टालिन ने कहा कि 'आरोपी को अगर गिरफ्तार नहीं किया जाता या आरोपी को बचाया

जाता तो सरकार पर आरोप लगाना सही था, लेकिन आरोपी को घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। तमिलनाडु में अन्ना विश्वविद्यालय में छात्रा से दुष्कर्म का मामला काफी गरमाया हुआ है। तमिलनाडु विधानसभा में भी विपक्ष इसे लेकर सरकार पर हमलावर है। बुधवार को इस मुद्दे पर सीएम स्टालिन ने विधानसभा में बयान दिया और विपक्ष पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने ये माना कि आरोपी डीएमके समर्थक है, लेकिन वह पार्टी का कार्यकर्ता नहीं है। विधानसभा अन्ना विश्वविद्यालय मामले पर बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि 'विधानसभा के सदस्यों ने एक विश्वविद्यालय के नाम का जिक्र किया, लेकिन मैं विश्वविद्यालय का नाम लेकर उस नाम को बदनाम नहीं करना चाहता। किसी ने भी ऐसा नहीं सोचा था। छात्रा के साथ जो भी हुआ वह बहुत बुरा और निर्दयी था। सभी सदस्यों ने उस मुद्दे पर बोला और इस मामले को लेकर सरकार को बुरा दिखाने की कोशिश की, लेकिन सरकार पीड़िता के साथ खड़ी है। आरोपी को अगर गिरफ्तार नहीं किया जाता या आरोपी को बचाया जाता तो सरकार पर आरोप लगाना सही था, लेकिन आरोपी को घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे में अब सरकार पर सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए आरोप लगाए जा रहे हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोपी गणाशेखरन डीएमके का सदस्य नहीं है और सिर्फ पार्टी का समर्थक है।

महिला की शारीरिक संरचना पर टिप्पणी को उत्पीड़न माना जाएगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) के एक पूर्व कर्मचारी पर उसी कार्यालय की एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाए थे। महिला ने कहा था कि आरोपी पूर्व कर्मचारी ने 2013 से उसके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। केरल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन ने कहा कि महिलाओं की शारीरिक संरचना पर टिप्पणी को यौन उत्पीड़न माना जाएगा। केरल हाईकोर्ट ने महिलाओं की शारीरिक संरचना पर टिप्पणी को यौन उत्पीड़न करार दिया है। केरल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसी टिप्पणी को यौन उत्पीड़न का अपराध मानते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) के एक पूर्व कर्मचारी पर उसी कार्यालय की एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाए थे। महिला ने कहा था कि आरोपी पूर्व कर्मचारी ने 2013 से उसके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद 2016-17 में आपत्तिजनक संदेश और वॉयस कॉल करना शुरू कर दिया। केएसईबी और पुलिस में शिकायत के बावजूद वह उसे आपत्तिजनक संदेश भेजता रहा।

पीएम मोदी ने देश को 'चलता है' से 'होगा कैसे नहीं' की सोच में बदला', सम्मेलन में बोले जयशंकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सम्मेलन का उद्घाटन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और युवा और खेल मामलों के मंत्री मनसुख मंडाविया ने किया। 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन बुधवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में शुरू हो गया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन के दौरान देश और विदेश से पांच हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत युवा प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम से हुई। सम्मेलन का उद्घाटन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और युवा और खेल मामलों के मंत्री मनसुख मंडाविया ने किया। इस दौरान 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 'चलता है' से 'होगा कैसे नहीं' वाली सोच में बदल दिया है। विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के विकास में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवा पीढ़ी पर प्रभाव को

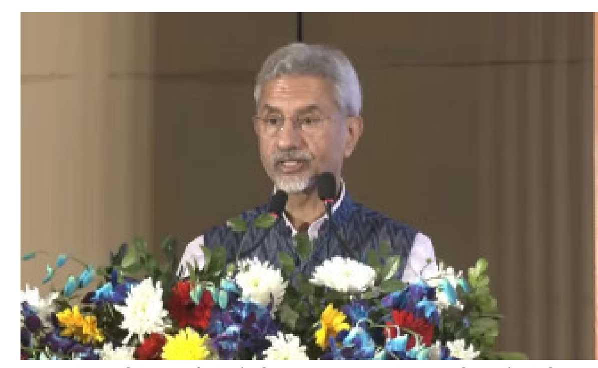

समझाते हुए विदेश मंत्री ने बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का उदाहरण दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि 'एक बार पीवी सिंधु ने बताया था कि पीएम मोदी युवाओं के लिए आदर्श क्यों हैं। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी ने देश को 'चलता है' वाले रवैये से 'बदल सकता है' और फिर 'होगा कैसे नहीं' वाली सोच में बदल दिया है।' विदेश मंत्री ने कहा कि 'एआई, इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक, स्टार्टअप्स और खेलों से लेकर वैश्विक बदलाव में युवा पीढ़ी बड़े बदलाव ला रही है। खुद का विकास करना बेहद जटिल है, लेकिन जब हमें ये विश्वास है कि कुछ भी असंभव नहीं है तो इस सोच के चलते ये आसान हो गया है।' विदेश मंत्री ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के दौरान भारतीय डायस्पोरा के सदस्यों से भारतीय पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रवासी भारतीयों की युवा पीढ़ी से नियमित अंतराल पर भारत आने की अपील की, ताकि उनका भारत से जुड़ाव हो सके। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8-10 जनवरी तक भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों हासिल करने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों को प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित भी करेंगी। त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मुख्य अतिथि हैं। वह सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करेंगी। इस सम्मेलन की थीम 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' है। मुख्य सचिव मनोज आहूजा ने कहा कि ओडिशा सरकार 50 देशों के प्रवासी भारतीयों के सामने राज्य की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

कांग्रेस ने 25 लाख रुपये के मुफ्त इलाज का किया वादा, लेकिन इस रणनीति से असमंजस में कार्यकर्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पार्टी ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिल्ली लाकर एक और बड़ी घोषणा करवा दी। पार्टी की इस रणनीति से वह दिल्ली की चुनावी लड़ाई में मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरती दिख रही है।कांग्रेस ने दिल्ली में बड़ी चुनावी वादा किया है। पार्टी ने कहा है कि दिल्ली में वह हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराएगी। पार्टी ने इसे 'जीवन रक्षा योजना' का नाम दिया है। राजस्थान में अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री रहते हुए इस तरह की योजना पेश की थी जो बहुत लोकप्रिय रही थी। कोरोना काल में लोगों का बेहतर इलाज कराने के लिए गहलोत सरकार ने 'भीलवाड़ा मॉडल' पेश किया था। अब उसी तर्ज पर कांग्रेस ने दिल्ली में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने का वादा किया गया है। इसे केजरीवाल-आतिशी सरकार के स्वास्थ्य मॉडल का बेहतर विकल्प बताया जा रहा है। इस योजना में लोगों के अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर पर स्वास्थ्य लाभ लेने के दौरान दवाओं का खर्च भी दिया

जाता है। कांग्रेस का वादा है कि सत्ता में आने पर वह इसी तरह की सुविधा दिल्ली में भी हर परिवार को उपलब्ध कराएगी।कांग्रेस ने पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बुलाकर दिल्ली में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया था। इसे आम आदमी पार्टी के 2100 रुपये हर महीने देने के वादे का जवाब माना जा रहा था। आज पार्टी ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिल्ली लाकर एक और बड़ी घोषणा करवा दी। पार्टी की इस रणनीति से वह दिल्ली की चुनावी लड़ाई में मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरती दिख रही है। खुद अशोक गहलोत ने इस योजना की घोषणा करते हुए कहा कि यह योजना लोगों को बहुत पसंद आएगी क्योंकि यह उन्हें बड़ी सुरक्षा प्रदान करेगी। लेकिन कांग्रेस एक साथ दोहरी रणनीति अपना रही है। एक तरफ वह दिल्ली के मतदाताओं के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर वह उन्हें अपने पक्ष में मोड़ने में लगी है, वहीं पार्टी ने अघोषित तौर पर अरविंद केजरीवाल पर सीधे ज्यादा आक्रामक न होने की रणनीति अपना ली है। पार्टी के अंदरखाने इसे उसकी राष्ट्रीय राजनीतिक मजबूरी बताया जा रहा है। लेकिन दिल्ली के कार्यकर्ता ये कहने से गुरेज नहीं कर रहे हैं कि ऐसी स्थिति में दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत करना असंभव हो जायेगा। कांग्रेस की इस मजबूरी का कारण क्या है?कांग्रेस ने जिस तरह अजय माकन को सामने लाकर केजरीवाल पर आक्रामक चुनाव अभियान शुरू किया था, उससे अचानक ही दिल्ली के गरियारों में यह चर्चा होने लगी थी कि कांग्रेस अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए बेचैन है। केजरीवाल को 'देशद्रोही' तक कह देने से अजय माकन और कांग्रेस के मजबूत इरादे साफ दिखाई दे रहे थे। लेकिन माना जा रहा है कि अचानक ही कांग्रेस ढीली पड़ गई।

एक देश, एक चुनाव का संजय राउत ने किया विरोध; अजित पवार पर लगा एनसीपी शरद में दलबदल कराने का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संजय राउत ने कहा कि एक देश, एक चुनाव विधेयक से एक पार्टी, एक चुनाव और एक

नेता, एक चुनाव को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रतिद्वंद्वी राकांपा (शरद) में दलबदल कराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने एनसीपी शरद के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल होने के बदले केंद्र में मंत्री पद देने का वादा किया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक एक ही पार्टी और नेता के तहत एक समेकित राजनीतिक व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी पर दलबदल कराने की कोशिश कराने का आरोप लगाया है।एक देश एक चुनाव विधेयक पर संजय राउत ने कहा कि एक देश, एक चुनाव विधेयक से एक पार्टी, एक चुनाव और एक नेता, एक चुनाव को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए हम सभी विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्यों ने विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक में विपक्ष सक्रिय रूप से भाग लेगा। विधेयक जेपीसी को भेज दिया गया है। आज इसकी पहली बैठक हो रही है और हमारे सभी लोग उस बैठक में भाग लेंगे। एक देश एक चुनाव को लेकर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि जेपीसी का प्रयास विधेयक की निष्पक्ष जांच करना होगा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि संसदीय पैनल इस मामले में प्रत्येक हितधारक की बात सुनेगा। आज पहले दिन सदस्यों को संबंधित मंत्रालय द्वारा जानकारी दी जाएगी। आगे कैसे बढ़ना है इस पर हम सबकी राय लेंगे। जेपीसी को एक देश एक चुनाव की जांच करनी है, जिसमें लोकसभा के सदस्यों में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और मनीष तिवारी, राकांपा-एसपी नेता सुप्रिया सुले, टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी और भाजपा के पीपी चौधरी बांसुरी स्वराज और अनुराग सिंह ठाकुर शामिल हैं। राज्यसभा के सदस्य भी इस पैनल का हिस्सा हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रतिद्वंद्वी राकांपा (शरद) में दलबदल कराने की कोशिश कर रही है।

हमारी कोशिश आम सहमति बनाने की है', बोले जेपीसी अध्यक्ष पीपी चौधरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीपी चौधरी ने बताया कि संबंधित मंत्रालय आज बैठक के पहले दिन सदस्यों को जानकारी देगा। उन्होंने कहा कि सबकी राय ली जाएगी कि आगे कैसे बढ़ा जाए की तरफ से पेश किए गए विधेयकों का निष्पक्ष तरीके से परीक्षण करेंगे। हमारा प्रयास आम सहमति तक पहुंचना होगा। मुझे विश्वास है कि हम देशहित के लिए काम करेंगे।पीपी चौधरी ने बताया कि संबंधित

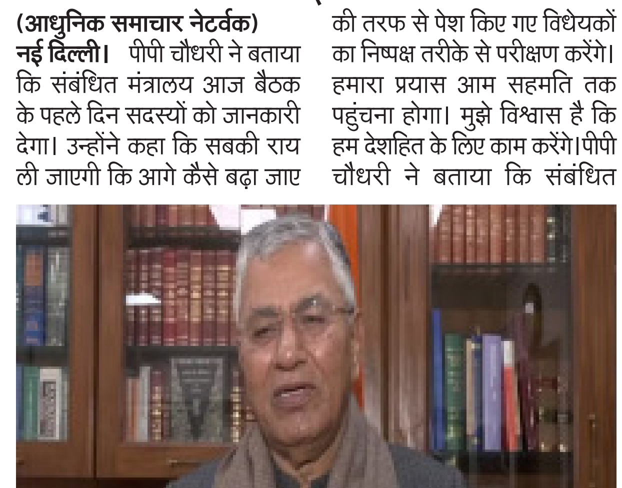

भाजपा सांसद और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने एक देश एक चुनाव पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संसद के उन सदस्यों के बीच आम सहमति बनेगी जो जेपीसी का हिस्सा होंगे। भाजपा नेता ने कहा कि जेपीसी का प्रयास विधेयकों की ठनिष्पक्षठ तरीके से जांच करना होगा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि संसदीय पैनल इस मामले में प्रत्येक हितधारक की बात सुनेगा। भाजपा नेता पीपी चौधरी ने कहा, ठहमारा प्रयास हर क्षेत्र के लोगों चाहे वह राजनीतिक दलों से हो या नागरिक समाज से हो या न्यायपालिका से सभी की बात सुनना होगा। हम सभी का इनपुट लेना चाहते हैं। हम सरकार मंत्रालय आज बैठक के पहले दिन सदस्यों को जानकारी देगा। उन्होंने कहा कि सबकी राय ली जाएगी कि आगे कैसे बढ़ा जाए। जेपीसी अध्यक्ष ने कहा, ठआज पहले दिन सदस्यों को संबंधित मंत्रालय द्वारा जानकारी दी जाएगी। आगे कैसे बढ़ना है इस पर हम सबकी राय लेंगे।ठ बता दें कि जेपीसी को एक देश एक चुनाव की जांच करनी है, जिसमें लोकसभा के सदस्य कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और मनीष तिवारी, राकांपा-एसपी नेता सुप्रिया सुले, टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी और भाजपा के पीपी चौधरी बांसुरी स्वराज और अनुराग सिंह ठाकुर शामिल हैं। राज्यसभा के सदस्य भी इस पैनल का हिस्सा हैं।

दीमा हसाओ में कोयला खदान से निकला एक शव, आठ श्रमिक अब भी फंसे; सेना और एनडीआरएफ का बचाव अभियान तेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो के तीन किलो क्षेत्र में कोयला खदान में सोमवार को 300 फीट गहरे खदान में अचानक पानी भर गया था। इस खदान में नौ

श्रमिक फंस गए थे। बुधवार सुबह सेना और एनडीआरएफ की टीमों ने बचाव अभियान के दौरान खदान से एक शव बरामद किया। खदान में अभी भी आठ श्रमिक फंसे हुए हैं। असम के पास दीमा हसाओ जिले में सोमवार को कोयला खदान में पानी भरने के बाद नौ श्रमिक फंस गए थे। बुधवार सुबह सेना और एनडीआरएफ की टीमों ने बचाव अभियान के दौरान खदान से एक शव बरामद किया। खदान में अभी भी आठ श्रमिक फंसे हुए हैं। इसके बाद सेना, असम राइफल्स, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमों ने बचाव अभियान तेज कर दिया है। दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो के तीन किलो क्षेत्र में कोयला खदान में सोमवार को 300 फीट गहरे खदान में अचानक पानी भर गया था। इस खदान में नौ श्रमिक फंस गए थे। इसके बाद भारतीय सेना और स्थानीय अधिकारियों की संयुक्त टीम ने त्वरित और प्रभावी तरीके से बचाव अभियान की शुरुआत की। मंगलवार शाम को बचाव अभियान को रोक दिया गया था। बुधवार सुबह इसे फिर से शुरू किया गया। इसके बाद बचाव टीमों ने खदान से एक शव बरामद किया।सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि 21 पैरा गोताखोरों ने खदान से एक शव बरामद किया है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। वहीं एनडीआरएफ के कमांडेंट एन तिवारी ने बताया कि श्रमिकों को निकालने के लिए 24 घंटे काम चल रहा है। जल्द ही हम श्रमिकों तक पहुंच जाएंगे। अभी सेना की टीम यहां काम कर रही है। नौसैनिक भी यहां पहुंच गए हैं। वहीं खदान में काम करने वाले एक श्रमिक ने बताया कि मेरा भाई खदान में फंसा है। खदान में अचानक लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि पानी भर रहा है। 30-35 लोग बाहर आ गए और 15-16 लोग फंस गए।

राज्यपाल बोस बोले- बीएसएफ सीमाओं पर है मुस्तैद, इसलिए हम सो पा रहे हैं चैन की नींद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगाल। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने सुरक्षाबलों की तारीफ करते हुए कहा कि बीएसएफ देश की सीमाओं की रक्षा में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, इसलिए हम चैन की नींद सो पा रहे हैं।पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) न केवल देश की सीमाओं की रक्षा में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, इसलिए हम चैन की नींद सो पा रहे हैं। इतना ही नहीं बीएसएफ सीमावर्ती समुदायों की सेवा में भी एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बीएसएफ की यह पहल सीमावर्ती क्षेत्रों में रह रहे लोगों की जरूरतों को समझने और उन्हें सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक प्रेरणादायक

उदाहरण है उन्होंने यह बात 118वीं वाहिनी की सीमा चौकी बांकरा में सीमावर्ती ग्रामीण समुदायों के लिए आयोजित एक मेडिकल कैंप, सिविक एक्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद कही। इस मौके पर बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के महानिरीक्षक (आईजी) आईपीएस मनिंदर पी.एस. पवार विशेष तौर पर मौजूद रहे। समारोह में में सैंडरबिल ग्राम पंचायत और आसपास के गांवों से लगभग 1000 ग्रामीणों ने भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को स्टेशनरी, युवाओं को खेल सामग्री और जरूरतमंदों को कंबल व अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित कीं। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित मुफ्त चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यक दवाइयां प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराना था।कार्यक्रम में क्षेत्रीय मुख्यालय कोलकाता के डीआईजी, बीएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकार के स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी और अन्य गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

लायन बन्धुओं द्वारा भव्य स्वागत और अभिनन्दन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज के लिए यह अत्यन्त हर्ष एवम गौरव की बात रही कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष लायन बबीता सिंह चौहान जी के आज प्रयागराज प्रथम आगमन पर प्रयागराज के सर्किट हाउस में प्रयागराज के लायन बन्धुओं द्वारा भव्य स्वागत और अभिनन्दन किया गया। उनके द्वारा कुछ परियोजनाओं जैसे उच्च न्यायालय में मोबाइल चार्जिंग बोर्ड आदि के लोकार्पण हेतु तथा चाय एवं कम्बल वितरण में प्रयागराज के लायन बन्धुओं द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें उपमण्डलाध्यक्ष प्रथम लायन डा अर्पण धर दुबे एवम उपमण्डलाध्यक्ष द्वितीय लायन उदय चन्दानी,लायन हिमांशु गुप्ता,लायन अनिल जायसवाल, लायन उमेश चन्द्र कक्कड़, लायन सतीश टण्डन, लायन बाल कृष्ण पाण्डेय, लायन नितिन यशार्थ, लायन राकेश मोहन बाला जी, लायन अनिल टण्डन, एवम समस्त रीज़न चेयरपर्सन तथा जोन चेयरपर्सन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डाक्टर की लापरवाही से कटी बच्चे की ऊंगली, परिजनों के पूछने पर डाक्टर ने दी धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। डाक्टरों को भगवान का का दर्जा दिया जाता है डाक्टर मरीजों के जान के साथ कर रहे खिलवा प्रयागराज के रामपुर के जायसवाल नगर में अभयराज क्रिटिकल केयर अस्पताल में डाक्टर शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कुछ दिन पहले एक तीन साल के बच्चे को अपने अस्पताल में एडमिट किया जिसमे परिजनों ने कहा की बच्चे की ऊंगली थोड़ा टेढ़ी है तो डाक्टर ने कहा की प्लास्टिक सर्जरी करा कर ठीक कर देगे परिजनों ने डाक्टर को पैसा दे दिया बच्चे का इलाज शुरू हुआ बच्चे के ऊंगली में पट्टी बाधा गया पट्टी बधने के एक सप्ताह बाद बच्चा लगातार रोता रहा परिजनों ने डाक्टर को जानकारी दी तब डाक्टर और टीम ने बच्चे को बुलाकर ड्रेसिंग किया तो बच्चे की ऊंगली पूरी तरह काली पड़ चुकी थी परिजनों ने कहा की बच्चे की ऊंगली काली पडी है डाक्टर ने कहा आप परेशान ना हो सब ठीक हो जाएगा परिजन चुप रहे एक सप्ताह बाद बच्चे की ऊंगली पूरी तरह सड़ चुकी थी परिजनों ने तुरत इलाहाबाद के एक बड़े नर्सिंग होम में ले गए वहां बच्चे की ऊंगली कटना पड़ा परिजनों ने बच्चे को लेकर पुनः रामपुर में पूर्व डाक्टर के पास ले गए परिजनों ने कहा की जो डाक्टर आपके यहाँ मेरे बच्चे का इलाज किया उनको बुलाओ पहले तो॑ ज् लोगों ने कहा की बच्चे की ऊंगली में कोई दिक्कत नहीं आएगी लेकिन आप लोगों की लापरवाही से मेरे बच्चे की ऊंगली कटवाना पड़ा इतना सुनते ही डाक्टर आग बबूला हो गया पीड़ित परिजनों को धमकी दी की अपने बच्चे को लेकर चले जाओ दूबारा यहां दिखना मत डाक्टर की धमकी से डरे सहमे परिजन चले गए इस मामले की शिकायत परिजनों ने स्थानीय थाने में किया लेकिन गरीब पीड़ित को न्याय अभी तक नहीं मिला परिजनों ने कहा की यह कोई नया मामला नहीं है इस अस्पताल में आए दिन मरीजों के साथ घटनाएं घटती रहती है इसके बाद भी जिला स्वास्थ्य प्रशासन गहरी नींद में सोया है प्रयागराज मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा की यह मामला मेरे संज्ञान में आया है हम इसकी जांच करा कर कार्यवाही करेगें

बच्चे का नाम अयांश उम्र 3, वर्ष
पिता का नाम अनिल कुमार प्रजापति
पता रामपुर करछना प्रयागराज

यातायात जागरूकता सप्ताह आरंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आदर्श नागरिक बन कर ट्रैफिक नियमो का पालन करने की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी/प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौशल विकास का अध्ययन करने से छात्रों को विविध प्रकार के कौशल विकसित करने में मदद मिलती है जो न किसी एक पेशे में बल्कि विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी मूल्यवान है - यातायात निरीक्षक पवन पांडे यातायात जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम आज यातायात निरीक्षक श्री पवन पांडे अभियान चलाया जिसमें लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र ने आयोजित किया सेमिनार में मुख्य रूप से भाग लिया तथा पांडे जी ट्रैफिक इंस्पेक्टर, मोहम्मद कौसर रोहित आदि लोग मौजूद रहे इसमे ट्रैफिक इंस्पेक्टर नियतायत नियम पालन करने की बात है मोहम्मद कौसर एडमिशन इंचार्ज एन आई टी सी ने बताया वह शैक्षणिक सुविधाओं और प्रशिक्षण प्लेसमेंट से बहुत संतुष्ट हैं, उन्होंने घोषणा की कि एनआईटीसी प्रयागराज में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और कौशल विकास केंद्रों में से एक है यहाँ गुरु शिष्य परम्परा का पालन होता है एवं छात्रों का सम्मान करते हुये कहा कि यह केंद्र के लिये गौरव की बात है केंद्र के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया।

राजसी वैभव के साथ निकली तीनों अनी अखाड़ों की पेशवाई, भाला और तलवार रथों पर सवार रहे संत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। हाथ में भाला, तलवार, बर्छी, गुप्ती और गदा लेकर साधु संत करतब दिखाते हुए और जय श्री राम, हर-हर महादेव का नारा लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। सड़क के दोनों किनारों पर पेशवाई (नगर प्रवेश) को देखने के लिए भीड़ जमा रही। अखिल भारतीय वैष्णव के तीनों अनी अखाड़े की पेशवाई बुधवार को केपी ग्राउंड से रवाना हुई इस दौरान बड़ी संख्या में हाथी घोड़े ऊंट पर संत सवार होकर निकले। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पैमाने पर फोर्स लगा दी गई है। सिविल लाइन में मेडिकल चौराहे के बाद रूट डायवर्जन कर दिया गया है। अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही, श्री पंच दिगंबर और श्री पंच निर्वाणी अनी अखाड़े की पेशवाई निकाल गई। हाथ में भाला, तलवार, बर्छी, गुप्ती और गदा लेकर साधु संत करतब दिखाते हुए और जय श्री राम, हर-हर महादेव का नारा लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। सड़क के दोनों किनारों पर पेशवाई (नगर प्रवेश) को देखने के लिए भीड़ जमा रही। लोग अपने मोबाइल से वीडियो और फोटो बनाते रहे।

बरेलवी इस्लामिक स्कॉलर के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु सिविल लाइंस थाना पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज में दी तहरीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ उच्च न्यायालय इलाहाबाद इकाई ने ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी इस्लामिक स्कॉलर के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु सिविल लाइंस थाना पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज में दी तहरीर दिनांक 5.1.2025 को समय अपराह्न 1:00 बजे नवभारत समाचार चैनल पर खबर प्रकाशित की गई की ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी इस्लामिक स्कॉलर द्वारा बताया गया कि इलाहाबाद के निवासी सरताज के मुताबिक महाकुंभ 2025 का आयोजन गंगा नदी के तट पर वक्फ बोर्ड की 55 बीघा भूमि पर समियाना 10ूप् व अन्य प्रकार के निर्माण किए गए हैं मुस्लिम समाज बड़ा दिल दिखा कर आयोजन रोक नहीं रहा है वहीं पर निर्माणी अखाड़ा मुसलमान को महाकुंभ आयोजन में शामिल होने से रोक रहा है मुसलमान को वहां पर व्यवसाय नहीं करने दिया जा रहा है वहां पर मुसलमान का बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन कराया जाएगा शहाबुद्दीन मौलाना के उक्त बयान पर विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ उच्च न्यायालय इलाहाबाद इकाई ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है और इसे धार्मिक उन्माद बताया है और कहा है कि शहाबुद्दीन बरेलवी के द्वारा यह बयान एक साजिश के तहत देकर एक धार्मिक उन्माद फैलाने व समाज को विखंडित करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका यह वक्तव्य राष्ट्र विरोधी, समाज को तोड़ने की साजिश व झगड़ा करने का है जिससे सनातन धर्म की छवि को विश्व भर में धूमिल करके विदेशी ताकतों से मिलकर सामाजिक सौभाग्य बिगड़ना एवं राष्ट्र विरोधी व समाज विरोधी शक्तियों को प्रेषित कर देश को धार्मिक दंगों की आग मैं जलाने वाला है उनके द्वारा जानबूझकर एक साजिश के तहत बिना किसी दस्तावेज के निराधार आरोप लगाकर सनातन कार्यों एवं धर्म धार्मिक भावनाओं व आस्था को ठेस पहुंचाने व आहत करने वाला है जबकि प्रज्ञा की पावन भूमि पर यह कुंभ मेला प्राचीन काल से ही अनवरत रूप से लगता चला आ रहा है जिसका उल्लेख धर्म ग्रंथों एवं पुराणों में वर्णित है समय-समय पर विभिन्न विदेशी यात्रियों ने जैसे चंद्रगुप्त मौर्य के समय 302 ईसा पूर्व यूनानी यात्री मेगास्थनीज ने अपनी किताब इंडिका में इस मेले का वर्णन किया है इसी प्रकार चीनी यात्री फाह्यान ने 399 से 411 ईसा पूर्व अपने यात्रा वर्णन में कुंभ मेले का वर्णन किया है 606 हिस्सा से 647000 तक कुंभ मेले में आने एवं संपत्ति दान का वर्णन महाराजा हर्षवर्धन का भी मिलता है इस प्रकार या सिद्ध होता है कि यह भूमि इस्लाम के उदय होने से पहले की है और कुंभ मेले का आयोजन उससे पहले होता रहा है सिविल लाइंस थाने में विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ उच्च न्यायालय इलाहाबाद के बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने एकत्रित होकर प्रथम सूचना पर दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जिसमें प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ उच्च न्यायालय के संयोजक अरविंद कुमार भारद्वाज विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ काशी प्रांत के सहसंयोजक बृजेश प्रताप सिंह विश्व हिंदू परिषद कानपुर के पालक जयराज सिंह तोमर काशी प्रांत के सहसंयोजक ओम प्रकाश सिंह उच्च न्यायालय के सहसंयोजक श्रीमती कविता तोमर एवं अखिलेश शुक्ला साथ ही विनय पाण्डेय, अमरेश तिवारी, वीरेंद्र सिंह राजभर, डी. एन. त्रिपाठी राजन शर्मा, शिव गोपाल सिंह, राम आधार, जितेंद्र पाल सिंह जादौन, हरबंस सिंह व विकास राय आदि रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

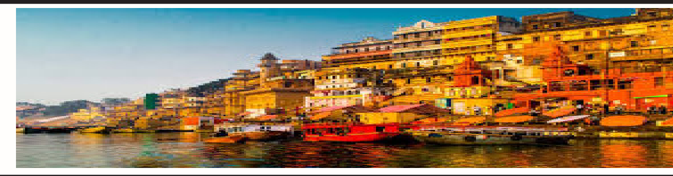

भारत

वाराणसी में वर्षों से बंद पड़े सिद्धिश्वर महादेव के मंदिर का खुला ताला, देखें- एक्सक्लूसिव तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले के मदनपुरा में स्थित सिद्धिश्वर

महादेव के मंदिर का ताला खोल दिया गया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मंदिर की साफ- सफाई शुरू की गई। मदनपुरा में मिले सिद्धिश्वर महादेव मंदिर के कपाट को बुधवार को खुलवाया गया। यहां पर साफ- सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती रही। बता दें कि मंदिर खुलवाने के लिए 6 जनवरी को सनातन रक्षक दल के कार्यकर्ता और बंगाली महिलाओं ने शंखनाद किया था। महिलाओं ने प्रशासन से अपील करते हुए कहा था कि जब कागज पर यह प्रमाणित हो चुका है कि इस मंदिर की जमीन नहीं बिकी है तो फिर मंदिर में पूजा शुरू करने की अनुमति दी जाए।बता दें कि मदनपुरा के गोल चबूतरा इलाके में स्थित मकान नंबर डी-31/65 के पास 17 दिसंबर को बंद मंदिर मिला था।सनातन रक्षा दल के कार्यकर्ता मंदिर में पूजा शुरू कराने पहुंचे थे, लेकिन प्रशासन ने स्वामित्व की जांच का हवाला देते हुए मामला शांत कर दिया।पिछले दिनों जिला प्रशासन ने दस्तावेज की जांच की, जिसमें यह पाया गया कि मंदिर एक सार्वजनिक स्थल है। मंदिर से सटे भवन को मुस्लिम परिवार को बेचा गया था। मंदिर का कपाट खुलते ही भक्तों ने हर- हर महादेव का जयकारा लगाया। अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर का कपाट खुला। मौके पर एडीएम सिटी और डीसीपी काशी मौजूद रहे।बताया जा रहा है कि शिव मंदिर के अंदर से खंडित शिवलिंग मिला है। भगवान शिव का मंदिर कई वर्षो से बंद पड़ा था। मंदिर कई वर्षों से बंद पड़े रहने के चलते मिट्टी जम गया था। ऐसे में नगर निगम वाराणसी की टीम से सफाई कराई जा रही है।

एक क्लिक पर जानें, देश-विदेश के टॉप 89 स्कॉलरशिप, डेटाबेस जारी; 10 पॉइंटर में पूरा विवरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के इंटरनेशनल एक्सचेंज स्टूडेंट

काउंसिल सर्विस ने डिजिटल पेज बनाया है। 10 पॉइंटर में स्कॉलरशिप का पूरा विवरण दिया गया है। आईआईटी बीएचयू के छात्र और छात्राओं ने मिलकर देश-विदेश के टॉप 89 फेलोशिप और स्कॉलरशिप को जानने और आवेदन का एक डेटाबेस जारी किया है। इससे आईआईटी बीएचयू, बीएचयू समेत अन्य विश्वविद्यालय के छात्रों को स्कॉलरशिप को एक ही क्लिक पर जानने का मौका मिलेगा। सबसे ज्यादा अमेरिका के 18 और कनाडा के 16 स्कॉलरशिप और फेलोशिप का विवरण व आवेदन का लिंक दिया गया है। आईआईटी बीएचयू के इंटरनेशनल एक्सचेंज स्टूडेंट काउंसिल सर्विस (एससीएस) की ओर से एमएस और पीएचडी स्कॉलरशिप डेटाबेस के नाम से डिजिटल पेज ही जारी किया गया है। इस पर किसी भी स्कॉलरशिप या फेलोशिप को जानने के लिए 10 प्वाइंटर दिए गए हैं। स्कॉलरशिप का नाम, योग्यता, सीटें, टाइमलाइन, स्पेशल कंडीशन, फंड और विश्वविद्यालय सब कुछ एक क्लिक पर जाना जा सकता है। इस पोर्टल को हर दिन अपडेट किया जाता है। इससे छात्र-छात्राओं को भी काफी राहत मिलेगी। सभी ने इसकी प्रशंसा की।

पिता-पुत्र को गोली मार कर लूट में शामिल बदमाश गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में बुधवार को तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस

दौरान बदमाश ने पुलिस टीम को देखते ही फायरिंग झोंक दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश को गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। वाराणसी जिले में सर्राफा कारोबारी के कर्मचारी और उसके बेटे को गोली मारकर जेवरात लूटने वाले गिरोह का एक बदमाश बुधवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आपरेशन चक्रव्यूह के तहत जांच के दौरान बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगा। आशंका होने पर जब पुलिस ने पीछा किया तो बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस और बदमाश के बीच चार राउंड फायरिंग हुई।लूटकांड के आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उसे लहूलुहान हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी के कब्जे से एक बाइक और पिस्टल के साथ ही मोबाइल बरामद हुआ है। पुलिस उससे गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।बता दें कि थाना क्षेत्र के भीटी में अलसुबह पुलिस संदिग्ध लोगों की जांच कर रही थी। पुलिस की टीम को देखकर बाइक सवार बदमाश पुलिस पर फायर झोंक दिया। जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद बाइक सवार बदमाश हाईवे की ओर भागने लगा। रामनगर इंस्पेक्टर समेत पुलिस टीम ने भाग रहे बदमाश का पीछा करते हुए घेराबंदी की। बदमाश ने फिर फायर करना शुरू कर दिया, जवाब में पुलिस टीम ने भी बदमाश पर फायरिंग की। एक गोली उसके पैर में लगी और बाइक समेत गिर पड़ा। वह बाइक में फंसने के चलते भाग नहीं सका। पुलिस टीम ने घेरकर उसे दबोच लिया। बदमाश की पहचान चंदौली निवासी मुकुल शर्मा के रूप में हुई। इस पर बनारस और चंदौली में पहले भी कई केस दर्ज हैं।जांच में पता चला कि आरोपी मुकुल शर्मा विगत दिनों कमच्छा पर पिता-पुत्र को गोली मारकर हुई लूट की घटना में शामिल था।

तीन कारोबारियों के खिलाफ पहली बार गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में पहली बार चीनी मांझा को लेकर बड़ी कार्रवाई हुई है। तीन कारोबारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। वाराणसी के चेतगंज थाने की पुलिस ने मंगलवार को चीनी मांझा बेचने के तीन आरोपियों जितेंद्र कुशवाहा व कुंदन कुशवाहा और मोहम्मद आजम के खिलाफ हत्या के प्रयास और गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। जितेंद्र व कुंदन सगे भाई हैं। पुलिस के मुताबिक, वाराणसी में चीनी मांझे से गला कटने और मौत के मामले में ऐसा मुकदमा पहली बार दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी चीनी मांझे के बड़े कारोबारी हैं। चौकाघाट फ्लाईओवर पर चीनी मांझे की चपेट में आने से 31 दिसंबर को विवेक शर्मा (25) की मौत हो गई थी। इससे पहले 29 दिसंबर को चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र के मवैया खुर्द गांव निवासी सुजीत कुमार (43) का गला कट गया था। वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल में भर्ती थे। डिस्चार्ज होकर आए सुजीत ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। सुजीत ने तहरीर में विवेक शर्मा

की मौत का जिक्र भी किया है। इसलिए चेतगंज थाने की पुलिस ने इसी केस के साथ ही विवेक शर्मा की मौत को भी जोड़ दिया है। मामले में पुलिस ने हरि नगर कॉलोनी चंदुआ छित्तूपुर निवासी सगे भाई जितेंद्र कुशवाहा व कुंदन कुशवाहा और माताकुंड लल्लापुरा के मोहम्मद आजम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अन्य कारोबारियों की तलाश कर रही है। चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र के मवैया खुर्द गांव निवासी सुजीत कुमार ने बताया कि वह गत 29 दिसंबर को वाराणसी आए थे।

वाराणसी में रात जैसा ही रहा दिन का मौसम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। यूपी में ठंड का कहर जारी है। वाराणसी में कोल्डवेव जनजीवन पर सितम ढा रहा है। इस कारण बुजुर्ग और बच्चे बाहर कम निकल रहे हैं। सुबह-शाम को भी हवा चलती रही। इस कारण ठंड से किसी तरह की राहत नहीं मिली। बर्फीली हवाओं (कोल्डवेव) ने लोगों को कंपा दिया। दिन भर बादल छाए रहे और हवाएं भी 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। ये कोल्डवेव का ही असर रहा कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान में महज 2.3 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। ऐसा दस साल में पहली बार हुआ जब अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच इतना कम अंतर दर्ज किया गया। बीते मंगलवार को अधिकतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि औसत से 5.8 कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 13.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस वजह से रात जैसी ही कंपकंपाती ठंड दिन में भी लोगों को महसूस हुई। मौसम विभाग की ओर से तीन दिन शीतलहर चलने की आशंका जताई गई है। बीते मंगलवार को सुबह से ही नम हवाएं करीब 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती रहीं। इस वजह से लोग ठंड से ठिठुर गए। सामान्य दिनों में

जहां घाटों पर दिन में भी चहल-पहल दिखती है, वहां सन्नाटा रहा। शाम को भी हवा चलती रही। इस कारण ठंड से किसी तरह की राहत नहीं मिली। तीन दिन तक कोल्डवेव के आसार बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. राजीव भाटला का कहना है कि पहाड़ों पर खूब बर्फबारी हो रही है। इस वजह से मंगलवार को दिनभर शीतलहर चलती रही। धूप भी नहीं निकली। पछुआ हवाओं में नमी भी बढ़ गई है। अभी तीन दिन तक कोल्डवेव के आसार हैं। हवा का रुख पछुआ से अगर पुरवा हुआ तो मौसम फिर बदल सकता है। बूंदाबांदी की संभावना है। चौथे दिन भी 10 घंटे देरी से पहुंची नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत कोहरे की वजह से मंगलवार को चौथे दिन भी नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत 10 घंटे देरी से कैंट स्टेशन पहुंची। जम्मूतवी-वाराणसी बेगमपुरा एक्सप्रेस तीन घंटे, इंदौर-पटना एक घंटे, विशाखापत्तनम गोरखपुर फेयर स्पेशल साढ़े तीन घंटे, पटना-वाराणसी मेमू तीन घंटे, नई दिल्ली-बनारस काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, जनता एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे लेट रही।वहीं, बरकाकाना वाराणसी स्पेशल एक्सप्रेस पांच घंटे, पंजाब मेल साढ़े तीन घंटे, सारनाथ एक्सप्रेस तीन घंटे, कामायनी एक्सप्रेस दो घंटे, प्रयागराज संगम गाजीपुर सिटी तीन घंटे, गोरखपुर दादर स्पेशल दो घंटे, नीलांचल एक्सप्रेस ढाई घंटे विलंब से पहुंची। इसी तरह दून एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, स्वतंत्रता सेनानी साढ़े तीन घंटे, द्वारिका एक्सप्रेस एक घंटे, जोधपुर-वाराणसी सिटी एक घंटे, विभूति एक्सप्रेस दो घंटे, फरक्का एक्सप्रेस डेढ़ घंटे, दानापुर-आनंद विहार जनसाधारण डेढ़ घंटे, बनारस ग्वालियर बुंदेलखंड एक्सप्रेस दो घंटे, ग्वालियर बनारस बुंदेलखंड एक्सप्रेस साढ़े आठ घंटे देरी से कैंट स्टेशन पहुंची।

एक हफ्तों से जला ट्रांसफार्मर शिकायत करने के बाद बदला नहीं गया, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। टांडाकला क्षेत्र के महमदपुर जमालपुर में जले ट्रांसफार्मर को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर अपनी मांग रखी और आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। टांडाकला क्षेत्र के महमदपुर जमालपुर गांव सभा में लगे 63 केवी का ट्रांसफार्मर एक हफ्तों से जल गया है। ग्रामीणों के कंप्लेंट करने के बाद भी जले ट्रांसफार्मर को बदला नहीं गया। विद्युत विभाग के लापरवाही के कारण किसानों की गेहूं के फसल के साथ-साथ अन्य फसल भी खराब होने का डर लगा है। बिजली नहीं आने से पीने के पानी से लेकर कई अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जिससे नाराज संदीप यादव विकास यादव मुलायम यादव संतोष यादव भूलन यादव अजीत यादव हरिओम यादव सेवानंद यादव अशोक यादव राम लखन यादव राम सिंह यादव राहुल यादव आदि ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए जिला अधिकारी को अवगत कराया कि जल्द से जल्द जले हुए ट्रांसफार्मर को बदल जाए। नहीं तो हम लोग और भी उग्र रूप ले सकते हैं। इसके जिम्मेदार आप खुद होंगे।

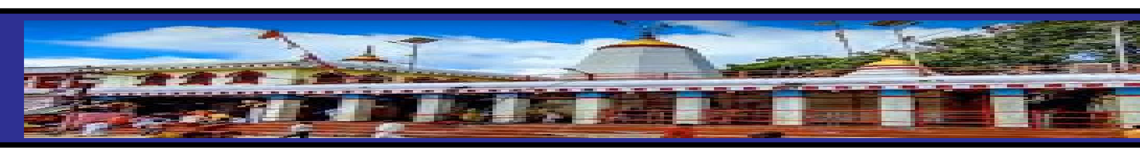

अपना दल एस की मासिक बैठक संपन्न दिए गए दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अपना दल एस सोनभद्र की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष अजंनी पटेल के अध्यक्षता में अपना दल एस जिला कार्यालय में संपन्न हुआ, जिला मासिक बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश बीयार एवं विशिष्ठ अतिथिगण प्रदेश सचिव श्रमिक मंच विनोद यादव ,ब्लॉक प्रमुख म्योरपुर मान सिंह गौड़ , प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक मंच महताफ आलम , प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रीति सिंह,वरिष्ठ नेता सुरजीत पटेल जी रहे कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महासचिव राजकुमार बौद्ध ने किया जिला मासिक बैठक मे मौजूद राष्ट्रीय/ कार्यवाहक प्रांतीय /जिला/ विधानसभा /जोन /सेक्टर/ बूथ के पदाधिकारी और सक्रिय सदस्यों ने अपना दल एस के इतिहास, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूती,सक्रिय सदस्यता अभियान, अगामी पंचायत चुनाव , 10जनवरी 2025 को प्रत्येक विधान सभा की मासिक बैठक पर अपना-अपना विचार व्यक्त किये बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा की 13जनवरी 2025 अनुप्रिया पटेल के शहीद तिलका मांझी जी के पुण्यतिथि पर आगमन पर तैयारी के संदर्भ में विस्तृत चर्चा किए जिला मासिक बैठक में नन्दलाल कोल, राजकुमार यादव,विजय सिंह, प्रविंद विश्वकर्मा, राजेश कुमार(ऊ.ए.ऊ. न्यूज संपादक), चंद्रप्रकाश, छात्र नेता विक्की पाण्डेय,अभय मद्धेशिया,सरोज गौड़, परमेश्वरी चौबे,जी पार्टी की सदस्यता ग्रहण किए जिला मासिक बैठक में जिला उपाध्यक्ष पंकज सिंह, जिला उपाधक्षय शिबूशेख, जिला सचिव वीरेंद्र पटेल , पूर्व जिला महासचिव कृष्णकांत कुशवाहा,पूर्व जिला उपाध्यक्ष मुकेश पटेल तरंग, पूर्व जिलाध्यक्ष अनु0/जनजाति प्रभु नाथ खरवार, पूर्व किसान मंच वीरेंद्र बहादुर पटेल,बौद्धिक मंच जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल , आई0टी0 मंच जिलाध्यक्ष सुनील चौधरी,पूर्व जिला मीडिया प्रभारी विकाश पटेल,घोरावल विधान सभा अधक्ष्य रामसूरत पटेल,राबर्ट्सगंज विधान सभा अधक्ष्य आनन्द पटेल, दुद्धी विधानसभा अध्यक्ष निरंजन जायसवाल, विधान सभा महासचिव घोरावल महेंद्र पटेल, विधान सभा घोरावल कोषाध्यक्ष लवकुश पटेल,पूर्व विधान सभा अधक्ष्य राबर्ट्सगंज हरिप्रसाद धागड़,जी सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय पर संगठन जिला चुनाव कार्यशाला सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व 2024 के तहत आयोजित संगठन जिला चुनाव कार्यशाला प्रदेश महामंत्री/विधान परिषद सदस्य गोविन्द नारायण शुक्ला व जिला चुनाव अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव की उपस्थिति में भाजपा जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज पर सम्पन्न हुयी। कार्यशाला का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्यअतिथि गोविन्द नारायण शुक्ला व जिला चुनाव अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल , पूर्व सांसद रामशकल ने पुष्प अर्पित कर किया। बैठक का संचालन जिला सह चुनाव अधिकारी अनिल सिंह गौतम ने किया। गोविन्द नारायण शुक्ला ने संगठनात्मक चुनाव के अगले चरण की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि विचारधारा संस्कार और संगठनात्मक पद्धति ही लंबे समय तक संगठन को जीवंत रखते है भाजपा मेरा संगठन है इस विचार से जिले मे अच्छा संगठन तैयार करने की समझ के साथ रायसुमारी करें गुणात्मकता के साथ संगठन चुनाव के चार चरण पूर्ण हो चुके है हम अगले चरण के लिए आगे बढ़ रहे है। दायित्व परिवर्तन संगठनात्मक व्यवस्था है और इसके अनुरुप ही समय समय पर प्रत्येक कार्यकर्ताओं के दायित्वों मे परिवर्तन होता है। आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक एक कार्यकर्ता की छवि भी समाज में राष्ट्रवाद के अग्रदूत के साथ ही संस्कारी तथा सेवाभावी व्यक्ति के रुप में होती है यही भाजपा के निष्ठावान अन्त्योदय विचारधारा के संवाहक तथा लोकसेवा मे समर्पित कार्यकर्ता विभिन्न दायित्वों मे पहुंचकर संगठन का नेतृत्व करते है संगठनात्मक चुनाव से 2027 विधानसभा चुनाव के लिए नेतृत्व चयन का कार्य पूर्ण होगा। जिला चुनाव अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय जनता ही एक मात्र राजनैतिक दल है जो संगठन की संरचना भी संगठनात्मक लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरुप करता है यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी में बूथ का कार्यकर्ता भी अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर किसी भी शीर्ष पद पर पहुंच सकता है संगठन पर्व के तहत पार्टी के पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं ने अपने परिश्रम से सदस्यता अभियान में किर्तीमान स्थापित किया है। संगठन बूथ समितियों के गठन मण्डल अध्यक्षों के निर्वाचन के साथ जिलाध्यक्ष निर्वाचन परिक्रिया की ओर बढ़ रहा है पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष के रुप में निर्वाचित होंगे और संगठन में अब तक के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए पार्टी के अभियानों कार्यक्रमों और विचारधारा को गति प्रदान करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल ने आये हुए सभी अतिथियों का अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर स्वागत किया साथ ही सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में मुख्यरुप से अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, निवर्तमान जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुशवाहा, अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत, नगर पालिका चेयरमैन रुबी प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, जिला सह चुनाव अधिकारी चांदप्रकाश जैन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामलखन सिंह, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, अमरनाथ पटेल, जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या, ओमप्रकाश दूबे, रमेश पटेल, रंजना सिंह, अशोक मौर्या, जिला मंत्री संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, विनोद पटेल, अनूप तिवारी, शारदा खरवार, कुसुम शर्मा, विशाल पाण्डेय, यादवेन्द्र द्विवेदी, पुष्पा सिंह, बृजेश श्रीवास्तव सहित सभी नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्ष, जिला प्रतिनिधि, वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

बाबा साहब अम्बेडकर सम्मान जन चौपाल का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विधानसभा घोरावल अंतर्गत ग्राम सभा इनम, सिद्धि कला, मसी आदिनाथ में राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव / प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पांडे व उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आवाहन तथा कांग्रेस सेवा दल सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशलेश पाठक के निर्देशानुसार बाबा साहब सम्मान जन चौपाल आयोजित किया गया जिसमें संविधान के मौलिक कर्तव्यों व बाबा साहब के ऊपर संसद में हुए अभद्र टिप्पणियों पर विशेष चर्चा किया गया साथ ही साथ वर्तमान सरकार की गलत नीतियों व महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार पर भी विशेष चर्चा किया गया कांग्रेस सेवा दल के जिला सचिव शिवपूजन शर्मा विश्वकर्मा ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार चरम सीमा पार कर चुकी है कांग्रेस सेवा दल के जिला संगठन मंत्री राम रूप शुक्ला ने बताया कि आज किसान मजदूर दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं कोई अधिकारी किसी बात को सुनने के लिए तैयार नहीं है आखिरकार जाएं तो जाएं कहां ग्राम सभा इनम में शाहगंज मंडल अध्यक्ष राजेश्वर देव पांडे शाहगंज प्रभारी व कांग्रेस सेवा दल जिला महासचिव पंकज मिश्रा, घोरावल ब्लॉक प्रभारी व जिला सचिव राहुल पटेल कांग्रेस सेवा दल जिला सचिव सिम्मु सिंह पटेल कांग्रेस सेवा दल ब्लॉक अध्यक्ष रोहित कुमार त्रिपाठी, रोहित जायसवाल मसी आदिनाथ ग्राम प्रधान रमेश कुमार कांग्रेस सेवा दल के वरिष्ठ सदस्य प्रवेश तिवारी इनम ग्राम प्रधान प्रिंस गुप्ता ने भी बाबा साहब के सम्मान में अपने विचारों को रखा मौके पर भारी संख्या में गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डीबीएस बार के अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव का अधिकार अधिग्रहित कर अतुल प्रताप सिंह को दिया गया-मो0 सलीम कुरैशा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के महामंत्री मो0 सलीम कुरैशी प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि डिस्ट्रिक्ट बार एसो0 सोनभद्र की आम सभा की बैठक देर शाम तक हुआ। गौरतलब है कि जिसमें आम सदन ने डिस्ट्रिक्ट बार एसो0 के निर्धारित समय से चुनाव कराने का निर्णय लिया। वर्तमान अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट डिस्ट्रिक्ट बार एसो0 के चुनाव हेतु कई बैठक में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण व बार कार्यकारिणी से समन्वय न बना पाने से उनके सारे अध्यक्ष का अधिकार अधिग्रहित कर वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ अतुल प्रताप सिंह एस0 को दे दिया, जिनके देखरेख में चुनाव 2024-25 सम्पन्न होगा। आम सदन ने चुनाव हेतु एल्डर कमेटी का गठन किया, जिसमें सुधाकर मिश्र एड. अध्यक्ष, रामचन्दर सिंह एड, राजेश सिंह, हरी प्रसाद यादव एड को सदस्य तथा धनंजय कुमार मिश्र एड, को सदस्य सचिव बनाया गया। आय सदन की अध्यक्षता करते हुए डॉ अतुल प्रताप सिंह प्रभारी अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने कहा कि बार का चुनाव सही समय व नियमानुसार होगा। क्योंकि बार एसोसिएशन बुद्धिजीवियों का वैधानिक बार है।महामंत्री ने सचालन में बताया कि मतदाता सूची तैयार हो गयी है। इसलिए एल्डर कमेटी निर्धारित समय पर चुनाव कराए। आम सदन की बैठक में सुधाकर मिश्र, राम चन्दन सिंह, हिरालाल पटेल, हरी प्रसाद यादव, धनंजय कुमार मोर्या, वीपी सिंह, सन्तोष पाण्डेय, द्वारिकानाथ नागर, अनुपम सिंह, द?याराम यादव, राजेश सिंह, राज?बहादुर सिंह, चंद्र? प्रकाश, अनुपम कुमार शुक्ला, संदीप कुमार, कमलेश आदि सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

मुकाबल प्रयागराज एवं जमशेदपुर के बीच हुआ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024 25 के बुधवार को 14 दिन का मुकाबल प्रयागराज और जमशेदपुर के बीच नगवा के ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह के द्वारा टास करा कर मैच का शुभारंभ किया गया, प्रयागराज की टीम टास जीतकर जमशेद पुर की टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया ,जमशेद पुर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 20 ओवर में मात्र 3 विकेट खो कर 223 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया जमशेद पुर की टीम के तरफ से शानदार प्रदर्शन कर,4 चौके और 9 छक्के की मदद से 53 बाल पर शानदार शतकीय पारी खेल कर 110 रन बनाए तो वहीं श्रेयांश चौबे ने विकास का साथ देते हुए 6 चौके और 3 छक्के की मदद से 66 रन बना कर अपनी टीम का स्कोर 200 रनों से पार पहुंचाया,प्रयाग राज की तरफ से मोहम्मद अंजी, प्रखर और चंद्रकांत ने एक ,एक विकेट प्राप्त किया,जवाब में प्रयाग राज की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.3ओवर में 163 रन पर पूरी टीम ढेर हो गई,प्रयागराज की तरफ से, राहुल यादव ने 6 चौके और 6 छक्के की मदद से 33 बाल पे 63 रन और चंद्रभान 9 बाल पे 14 रन ही बना सके ,जमशेद पुर की तरफ से आकाश सिंह 4 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट तो वही विकास यादव ने शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन कर 3 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट चटकाकर अपनी टीम को विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 के टूनामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, अतः विकास यादव जी ऑलराउंडर प्रदर्शन करने वाले को ज्योतिसा चर्या देवेश मिश्रा गुरु के द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया,इस अवसर पर भाजपा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल ,जिला मंत्री संतोष शुक्ला , नवल वाजपेई ,पंकज मिश्रा ,अरविंद पांडेय जी,आशुतोष शुक्ला ,गौरव शुक्ला और विनीत त्रिपाठी ,राजन तिवारी,मोनू रवि द्विवेदी,,अनूप तिवारी , समेत अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

शहीद स्थल पर शोक सभा कर पत्रकारों ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर को जी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। छत्तीसगढ के बीजापुर निवासी पत्रकार मुकेश चन्द्रकार की हुई निर्मम हत्या के विरोध में डाला के पत्रकारो ने बुधवार को आक्रोष जताया घटना की कडे शब्दो में निंदा की। स्थानीय शहीद स्थल पर पत्रकारो ने शोक श्रद्धांजली सभा का आयोजन कर पत्रकार मुकेश चन्द्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर गहरा शोक व्यक्त किया।पत्रकार सैयद आरिफ,राजवंश चौबे,नीरज पाठक जगदीश तिवारी आदि लोगो ने कहा कि पत्रकारो की हत्या व मारपीट की घटनाए होना काफी निन्दनीय है।जिसके बारे में सभी को जागरूक व सजग रहने की जरूरत है।कुछ दिन पूर्व ही डाला निवासी पत्रकार सोनू पाठक उर्फ सुनील कुमार पाठक के साथ अपहरण,मारपीट व गाली गलौज सम्बंधित हुई घटना घोर निन्दनीय है।जिससे दूसरे पत्रकारो को आपसी मतभेद भूलाकर एकजूट रहने की जरूरत है।नगर में हेरोइन,गांजा व अवैध शराब के काले धंधो के विरूद्ध अपनी कलम से आवाज उठाने वाले पत्रकारो को डराने का जो षणयंत्र रचा जा रहा है वह कभी सफल नहीं होगा।पत्रकार निर्भीक व निडर होते हैं जो समाज के सजग प्रहरी की भूमिका का निर्वहन करते हैं।पत्रकार सिर्फ पत्रकार होता है।जिसे अपने कर्तब्यो का निर्वहन करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। कभी-कभी अपने पास पड़ोस में किसी प्रकार की घटना को आईना की तरफ दिखता है इस दौरान उपस्थित पत्रकार लोग।इस अवसर मंटू उर्फ बृजेश शर्मा,अभिषेक शर्मा, गुड्डू पटेल,अर्जून सिंह,अनिल कुमार अग्रहरि, सोनू पाठक,संजय केसरी,टीएल भाष्कर,सोनू तिवारी,सुहेब,मिथलेश भारद्वाज ,मुन्ना तिवारी अनिकेत श्रीवास्तव आदि लोग सामिल रहे।

लायंस क्लब राबटसगंज ने गरीबों में वितरीत किए कंबल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज ने बुधवार को वार्ड एक मलीन बस्ती में 100 कंबल वितरण किया लायन अध्यक्ष राधिका सिंह,सचिव कल्पना केसरी, किशोरी सिंह, जयकुमार केसरी, विमल अग्रवाल, सुभाष कार्यक्रम में उपस्थित रहे। वही अध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि राबटसगंज फ्लाईओवर के नीचे कड़ाके की ठंड में जीवन यापन करने वाले गरीबों सहयोग को संगठन द्वारा कंबल वितरित किया गया । कंबल पाकर सभी के चेहरे खिल उठे, इधर एक सप्ताह से निरंतर ठंड बहुत तेजी से बढ़ा है, जिसको देखते हुए लायंस क्लब राबर्ट्सगंज ने निर्णय लिया कि कंबल का वितरण गरीब बस्ती में किया जाए, आज शुरुआत में 100 कंबल का वितरण किया गया। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज प्रत्येक वर्ष ठंड में कंबल का वितरण करता आ रहा है, अगले सप्ताह सौ कंबल का वितरण जरूरतमंदों में पुनः किया जाएगा।

150 छात्र-छात्राओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण,दी गई जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र में जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह की दिशा निर्देश में समग्र शिक्षा के अंतर्गत ठर्पेटूप् ऐंस्ज् कक्षा नौवीं एवं कक्षा दसवीं की करीब 150 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण कैंप में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य से संबंधित आदतों एवं बचावों के प्रति जागरूक किया गया । हेल्थ कैंप में छात्राओं को विद्यालय की तरफ से हेल्थ कार्ड का भी वितरण किया गया ।परीक्षण के उपरांत छात्राओं को सूक्ष्म जलपान कराया गया । विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या वन्दना सिंह द्वारा चिकित्सकीय टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस अवसर पर कक्षा नौवीं एवं दसवीं की कक्षाध्यापिकाएं नेहा विश्वकर्मा ,नेहा जाटव, प्रीती एवं प्राची गुप्ता उपस्थित रहीं ।

दे ेत् एल्हेठ हेल्थ कैंप द्वितीय कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्या, नोडल शिक्षिका एवं चिकित्सकों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन से किया गया । हेल्थ कैंप में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संगीता त्रिपाठी, नेत्र विशेषज्ञ डॉ उमकेश तथा दंत चिकित्सक डा0 स्नेहा मंजुल मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा विद्यालय में भेजी गई टीम (फिजियोथैरेपिस्ट करिश्मा, फार्मासिस्ट सुषमा , चिकित्सा अधिकारी आयुष) द्वारा

समाजवादी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला पार्टी कार्यालय पर समाजवादी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे ने किया और संचालन गुलाम यासीन ने किया । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष श्री राम निहोर यादव एवं यूथ के प्रभारी राम प्यारे सिंह पटेल उपस्थित थे ।बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि नौजवान ही समाजवादी पार्टी का रीड होता है। नौजवान समाजवादी पार्टी के नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करता है। इसलिए आप जवानों की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें और संगठन को और अधिक मजबूत करने का काम करें । क्योंकि इस भाजपा सरकार में नौजवानों का शोषण चरम सीमा पर है। नौजवानों का कोई सुनने वाला नहीं है । बैठक को संबोधित करते हुए यूथ के प्रभारी राम प्यारे सिंह पटेल ने कहा कि आप नौजवानों की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी को मजबूत करें और आम जनमानस से मिलने का काम करें जिससे संगठन और मजबूत हो सके । बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे ने कहा कि हम नौजवानों की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जन कल्याणकारी योजनाओं को आम जनता को बताने का काम करें और उनके नीतियों को भी बताने का काम करें जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के अधिक से अधिक विधायक विजई हो। बैठक में मुख्य रूप से अनिल प्रधान जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल जगत पटेल सूरज मिश्रा मिथिलेश सिंह पटेल गुलाम यासमीन पीयूष यादव नीतीश पटेल सुशील राय आदिल अंसारी शिवम यादव मदन मोहन मिश्रा पप्पू वर्मा कन्हैया यादव अतुल पटेल प्रीति मिश्रा फहीम कुरेशी चंदू मिश्रा अजय कुमार रेनू जायसवाल अतुल सिंह पटेल धर्मेंद्र पटेल सूरज मिश्रा के साथ सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

आक्रोशित गोंगपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर किया विरोध-प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गोड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर विरोध-प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि देश के गृहमंत्री द्वारा 18 दिसंबर 2024 को सदन में भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के बारे में अभद्र वक्तव्य दिया गया है, जिससे सर्व समाज को आघात पहुंचा है। इसलिए गृहमंत्री देश वासियों से मांफी मांगें। गोंगपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमाशंकर सिंह पोया व गोंगपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम बिहारी मरकाम ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के बारे में देश के गृहमंत्री द्वारा अभद्र वक्तव्य सदन में दिया जाना निंदनीय है। गोंगपा के जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने कहा कि ज्ञापन पत्र में देश के गृहमंत्री द्वारा देश वासियों से माफी मांगने, सोनभद्र जिले में पांचवीं अनुसूची लागू किए जाने, वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत दावेदारों को अभिभोग प्रमाण पत्र दिए जाने, किसानों को बिजली-पानी मुफ्त दिए जाने के साथ ही सोनभद्र के बेरोजगार युवाओं को कम्पनियों में नौकरी दिए जाने की मांग शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि गोंगपा कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए झंडा वैनर के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अंत में महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित अपनी पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम नरेश पोया और संचालन जिला महासचिव रामचंद्र टेकाम ने किया।विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से हीरालाल मरपची, रामचरित्र नेताम,हीरालाल मरकाम, राजेंद्र सिंह मरपची, कनई चेरो, बिंदु अगरिया,आरके सिंह अर्मो, शिव प्रसाद अर्मो, रामेश्वर उरेटि, रेनु भारती, दिनेश लाल यादव, रामसूरत उड़ाके, श्रीराम टेकाम, रामचंद्र टेकाम, देवा सिंह उड़के,रामकुमार करियाम,अयोध्या प्रसाद टेकाम, सूर्यबली मरपची, सत्यनारायण ,नागेंद्र, श्याम आदि शामिल रहे।

स्पोर्ट्स

'अगर फिर से भिड़ंत हुई तो मैं कुछ नहीं कहूंगा', बुमराह से पंगा लेकर निराश हैं सैम कोंस्टास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। दो गेंद बाद बुमराह ने आखिरी गेंद पर उस्मान ख्वाजा का विकेट लिया। इसके बाद उन्होंने कोंस्टास की ओर बढ़कर उसे घूरकर देखा।ऑस्ट्रेलिया के युवा प्रदर्शन करना चाहता हूं।' दिन का खेल जब खत्म होने को था तब बुमराह एक और ओवर फेंकना चाहते थे, लेकिन आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने विरोध किया जो समय खपाने की कोशिश में थे । इस कुछ नहीं कहूंगा।' कोंस्टास और कोहली के बीच भी सीरीज के दौरान बहस हुई। कोंस्टास ने बाद में कहा कि उस घटना के बाद भी वह अपने बचपन के हीरो कोहली से मिलने गए। उन्होंने कहा, 'मैंने मैच के बाद

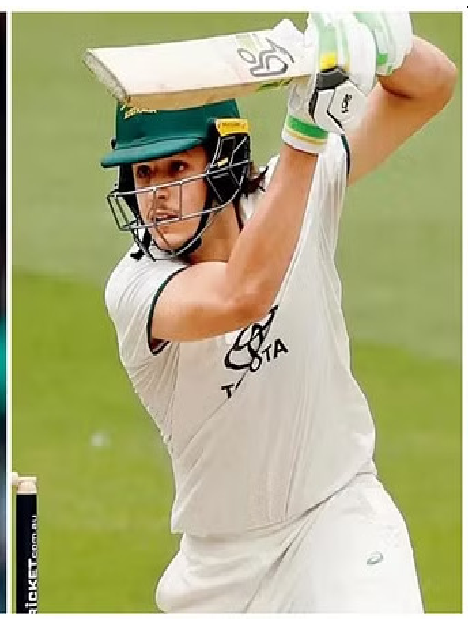

बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान जसप्रीत बुमराह से हुई झड़प पर खेद जताते हुए स्वीकार किया है कि वह समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन आखिर में बुमराह को सफलता मिली। कोंस्टास ने आखिरी दो टेस्ट में अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी, लेकिन बुमराह और विराट कोहली से उलझने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसी एक घटना पांचवें टेस्ट के पहले दिन हुई जब कोंस्टास और बुमराह के बीच तीखी बहस हो गई। कोंस्टास ने कोड स्पोर्ट्स से कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा करना पसंद है और मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ कारण से बुमराह और कोंस्टास के बीच बहस हो गई।दो गेंद बाद बुमराह ने आखिरी गेंद पर उस्मान ख्वाजा का विकेट लिया । इसके बाद उन्होंने कोंस्टास की ओर बढ़कर उसे घूरकर देखा। कोंस्टास ने उस घटना के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे लिये सबक था । मैं थोड़ा समय बर्बाद करने की कोशिश कर रहा था ताकि वे एक और ओवर नहीं फेंक सके लेकिन बुमराह को आखिर में कामयाबी मिली।'उन्होंने कहा, 'वह बेहतरीन गेंदबाज है और सीरीज में 32 विकेट लिए। अगर ऐसी कोई घटना फिर होती है तो शायद मैं उनसे बात की और कहा कि वह मेरे आदर्श हैं और उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। जब वह क्रीज पर थे तो मैं सोच रहा था कि वाह, विराट कोहली बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्त्व ही ऐसा है। सारे भारतीय समर्थक उनका नाम पुकारते हैं। यह सपने जैसा था।'कोंस्टास ने कहा, 'वह काफी विनम्र हैं। बहुत ही प्यारे इंसान और उन्होंने मुझे भविष्य के लिए शुभकामना भी दी। मेरा पूरा परिवार विराट से प्यार करता है। मैं बचपन से उन्हें आदर्श मानता आया हूं और वह लीजेंड है।

'कई भारतीय महिलाओं को आप पसंद हैं', महिला एंकर के सवाल पर बोल्ड हुए कमिंस, उनके जवाब ने जीता दिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से असाधारण प्रदर्शन किया। कमिंस ने पांच टेस्ट में 25 विकेट

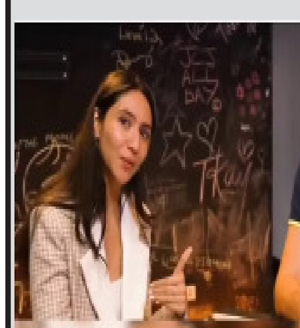

लिए और वह बीजीटी 2024/25 के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से जीत दिलाने के बाद पैट कमिंस का नाम ऑस्ट्रेलिया के महान कप्तानों में शुमार हो गया है। कंगारू पिछले 10 साल से बीजीटी जीतने का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार कमिंस ने इसमें कामयाबी दिलाई। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बीजीटी के अलावा वनडे विश्व कप 2023 और टेस्ट चैंपियनशिप 2021 जीत चुकी है। अब टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भी पहुंच चुकी है। अब पैट कमिंस का बीजीटी सीरीज के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के साथ एक दिलचस्प इंटरव्यू सामने आया है। इसमें एक महिला एंकर उनसे ऐसी बात कहती है, जिसे सुनकर कमिंस हैरान रह जाते हैं और पहले तो उन्हें कोई जवाब नहीं सूझता है। फिर वह एक ऐसा जवाब देते हैं, जिससे फैंस का दिल जीत लिया। वह शर्माते भी दिखे। महिला एंकर साहिबा बाली कमिंस से कहती है, 'भारत में आपकी बड़ी फैन फॉलोइंग है, खासकर महिलाओं में। महिलाओं का एक बड़ा ग्रुप है जिनको आप पसंद हैं। इसमें मैं भी शामिल हूं। मेरी सबसे अच्छी दोस्त भी इसमें शामिल है। उसने मुझे मैसेज किया, 'तुम पैट कमिंस से मिल रही हो। मुझे तुमसे बहुत जलन हो रही है।' बेशक, हर कोई जानता है कि आप शादीशुदा हैं, लेकिन आप महिला का ध्यान कैसे आकर्षित करते हैं और फिर इस फैन ग्रुप से कैसे डील करते हैं?'इस पर कमिंस झेंप जाते हैं और मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'मुझे नहीं पता था आप यह सवाल पूछने जा रही हैं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं।' इस पर महिला एंकर पूछती हैं, 'क्या आप भी इसे स्वीकार करते हैं?' इस पर कमिंस ने कहा, 'जाहिर है, भारत में काफी फैंस हैं। वे क्रिकेट और इससे जुड़े खिलाड़ियों को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं। हालांकि, हम खिलाड़ी ज्यादातर समय टीम के साथ होटल में बिताते हैं। या फिर कई बार परिवार वहां होता है। इसलिए आपको किसी फैन के साथ आमने-सामने बातचीत का मौका नहीं मिलता।'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था।

आईसीसी ने सिडनी की पिच को बताया संतोषजनक, बाकी पिचों को दी बेहतरीन रेटिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम की पिच, एडीलेड ओवल, ब्रिसबेन में गाबा की पिच और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच को ऊंची रेटिंग मिली है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ऐसा ही होता आया है।' उन्होंने कहा, 'हम ऐसी पिचें नहीं तैयार करते जो मेजबान टीम के अनुकूल हो या हमारी मदद करे। हम चाहते हैं कि बल्ले और गेंद के बीच अच्छी स्पर्धा हो और नतीजा निकले। तैयारियों ही विकेट उपलब्ध कराया जाता तो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेटर उसकी आलोचना करते। उन्होंने कहा, 'सभी उसे निशाना बनाते। इस बारे में तरह-तरह की टिप्पणियां की जातीं कि 'क्या यह अच्छी पिच है? इस पिच पर पहले

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच को संतोषजनक बताया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की पांच में से चार पिचों को आईसीसी ने बेहतरीन करार दिया है, जबकि सिडनी में पांचवें और आखिरी टेस्ट की पिच को संतोषजनक रेटिंग मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। पांच मैचों की सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीती और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भी क्वालिफाई किया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम की पिच, एडीलेड ओवल, ब्रिसबेन में गाबा की पिच और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की पिच को ऊंची रेटिंग मिली है। वहीं, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच को संतोषजनक बताया गया है। सिडनी की पिच इस बार गेंदबाजों की मददगार थी और दोनों पारियों में बल्लेबाज जूझते नजर आए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट परिचालन प्रमुख पीटर रोच ने कहा, 'हम हमेशा कोशिश करते हैं कि ऐसी पिचें तैयार करें जो उस मैदान की खूबी बताती हो और पर मौसम का असर पड़ा और हमें पता है कि सबसे कुशल क्यूरेटर भी विपरीत मौसम से प्रभावित होते।'सिडनी की पिच को लेकर जहां सुनील गावस्कर ने कहा कि यह आदर्श पिच नहीं थी वहीं भारतीय कोच गौतम गंभीर ने इसे मसालेदार और टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छी बताया था। गंभीर ने कहा, 'यह सिडनी का सामान्य विकेट नहीं था, जैसा कि हम आम तौर पर देखते हैं या जिसे हमने पहले भी देखा है, लेकिन फिर टेस्ट क्रिकेट को ऐसे ही खेला जाना चाहिए। परिणाम देने वाला विकेट। मुझे पता है कि जब हम स्वदेश में खेलते हैं तो टर्निंग विकेट के बारे में बहुत बात होती है, लेकिन यह शायद उतना ही मददगार था जितना कि हमें स्वदेश में मिलता है।हालांकि, गावस्कर ने एससीजी के विकेट की आलोचना की थी। गावस्कर ने 'एबीसी स्पोर्ट' पर कहा, 'जब मैंने पिच देखी तो मैंने कहा कि गायें इस पर चर सकती थीं। यह आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं है क्योंकि आप चाहते हैं कि मैच चौथे या पांचवें दिन तक चले। गावस्कर ने कहा कि अगर भारत में भी ऐसा खेल चुके पूर्व खिलाड़ी भी हैरान थे। ग्लेन मैकग्रा ने कहा कि उन्होंने पिच पर इतनी घास पहले कभी नहीं देखी। मुद्दा यह है कि जब आप विदेश जाते हैं। तो आपको इस तरह की सतह पर खेलने के लिए तैयार रहना होता है। इस 75 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज ने कठिन भारतीय पिचों के बारे में शिकायत करने के लिए पूर्व खिलाड़ियों की भी आलोचना की थी। गावस्कर ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में क्या आपने कभी किसी पूर्व भारतीय क्रिकेटर को परिस्थितियों के बारे में शिकायत करते सुना है? वे स्वीकार करते हैं कि विदेश में खेलने का मतलब यही है।' उन्होंने कहा, 'हम शिकायत करने वाले नहीं हैं, हम शिकायत नहीं करते। जब हम (विदेश में) जाते हैं और क्रिकेट खेलते हैं तो हम कड़ी मेहनत करते हैं और अगर हम हार जाते हैं तो हम हार जाते हैं। हम समझते हैं कि विदेशों में घरेलू टीम को हराना बहुत मुश्किल है। आप हमें कभी शिकायत करते नहीं पाएंगे, लेकिन भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरना नरक जैसा होगा।

क्या भारतीय टीम में राहुल और शमी को मौका मिलेगा, अक्षर-जडेजा में कौन होगा स्क्वॉड में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। फाइनल के बाद से भारत ने छह वनडे खेले हैं जिसमें शमी और जडेजा को आराम दिया गया, लेकिन राहुल को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में द्विपक्षीय सीरीज में टीम में जगह मिली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए एक दो दिन में टीम का एलान हो सकता है। 12 जनवरी टीम के एलान की अंतिम तारीख है। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय वनडे टीम में बल्लेबाजी की धुरी होंगे, लेकिन जब अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति स्क्वॉड चुनने के लिए बैठेगी, तो कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ी ऐसे हैं जिनके नाम पर चयनकर्ताओं को माथापच्ची करनी होगी। केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा की 19 फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह पक्की नहीं है। हालांकि वे पिछले साल विश्व कप टीम का हिस्सा थे।फाइनल के बाद से भारत ने छह वनडे खेले हैं जिसमें शमी और जडेजा को आराम दिया गया, लेकिन राहुल को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में द्विपक्षीय सीरीज में टीम में जगह होगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, ऋषभ पंत अगर विकेटकीपिंग के लिए पहली पसंद होते हैं तो राहुल को बैकअप रखने मामलों में अभी भी चलती है तो सैमसन उनके पसंदीदा होने के कारण टीम में आ सकते हैं। भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में अपने मैच

मिली। श्रीलंका के खिलाफ राहुल को सीरीज के बीच से बाहर किया गया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर 2023 को मिली हार के प्रमुख कारणों में सौ से अधिक गेंदों में उनका अर्धशतक शामिल था। समझा जाता है कि यशस्वी जायसवाल को वनडे टीम में जगह मिलने की संभावना है। इससे शीर्ष चार में बायें हाथ का एक बल्लेबाज का कोई मतलब नहीं है। राहुल अगर विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं तो बतौर बल्लेबाज टीम में उनकी जगह पक्की नहीं है। उनके करीबी प्रतिद्वंद्वियों में ईशान किशन ने विजय हजारे ट्रॉफी में रन नहीं बनाए, जबकि संजू सैमसन को शुरूआती मैचों से बाहर रहने के बाद केरल टीम में चुना नहीं गया। कोच गौतम गंभीर की अगर चयन दुबई में खेलने हैं और बांग्लादेश के खिलाफ पहला मैच 20 फरवरी को खेला जायेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में खेलने से इनकार किया है। सफेद गेंद के प्रारूप में जडेजा का फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा है और पीटीआई के सूत्रों का मानना है कि चयन समिति को वनडे में अक्षर पटेल बेहतर विकल्प लगते हैं। वॉशिंगटन सुंदर का चयन तय लग रहा है, लेकिन कुलदीप यादव की फिटनेस पर चयनकर्ता नजर रखे हुए हैं। वह पूरी तरह फिट लग रहे हैं, लेकिन विजय हजारे ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं खेला। उनके नहीं खेलने पर रवि बिश्नोई या वरूण चक्रवर्ती को मौका मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर चयन समिति के सामने तस्वीर स्पष्ट नहीं है। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में पिछले दो मैचों में आठ आठ ओवर फेंके। अगर जसप्रीत बुमराह कमर की तकलीफ के कारण नहीं खेल पाते हैं तो शमी का अनुभव काफी उपयोगी साबित हो सकता है। रिजर्व बल्लेबाजों में रिंकू सिंह और तिलक वर्मा में से एक विकल्प हो सकता है। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वरूण चक्रवर्ती/ रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, आवेश खान/मोहम्मद शमी, रिंकू सिंह/तिलक वर्मा।

मेरा परिवार कोहली को पसंद करता है, वह मेरे आदर्श हैं', भारतीयों से भिड़ने के बाद बोले कोंस्टास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। कोंस्टास ने कोहली से भिड़ंत के बाद की कहानी बताई। उन्होंने कहा कि उन्होंने विराट से

कहा कि वह उन्हें अपना आदर्श मानते हैं और उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के दौरान भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ टक्कर के बाद उनके साथ हुई अपनी बातचीत का खुलासा किया है। कोंस्टास ने कोहली को अपना आदर्श बताया है और कहा कि वह बचपन से उन्हें देखते हुए बड़े हुए हैं। साथ ही यह भी कहा है कि उनका पूरा परिवार कोहली से बेहद प्यार करता है। दरअसल, बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान ओवर के बीच में 19 वर्षीय कोंस्टास और कोहली के बीच टक्कर हुई थी। इस मामले में कोहली पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगा था। इस टेस्ट में कोंस्टास ने ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और उन्होंने मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद पर रैंप शॉट समेत कुछ बेहतरीन शॉट्स लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। कोंस्टास इसके बाद सिडनी टेस्ट में बुमराह से भी भिड़े थे। हालांकि, अब उन्होंने कोहली को लेकर अपने मन की बात कही है। फॉक्स क्रिकेट ने कोड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कोंस्टास ने कोहली से भिड़ंत के बाद की कहानी बताई। उन्होंने कहा कि उन्होंने विराट से कहा कि वह उन्हें अपना आदर्श मानते हैं और उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। कोंस्टास ने कहा, 'मैंने खेल के बाद थोड़ी सी बात की थी कि मैं उन्हें आदर्श मानता हूं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की संभावित टीम में चोटिल सैम अयूब, ऐसा हो सकता है स्क्वॉड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। अगर अयूब वापसी करते हैं तो फखर जमां के साथ ओपनिंग करते दिख सकते हैं। फखर पिछले कुछ समय से टीम के साथ नहीं दिखे हैं। पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने चोटिल बल्लेबाज सैम अयूब को 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संभावित टीम में रखा है जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को भेजी जाएगी। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के करीबी सूत्र ने बताया कि पिछले कुछ महीने में सैम के फॉर्म और बतौर सलामी बल्लेबाज 50 ओवरों के क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को लगा कि उन्हें चोट के बावजूद प्रारंभिक टीम में होना चाहिए।उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता उन्हें प्रारंभिक टीम में रखेंगे क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सैम को टखने की चोट के सर्वश्रेष्ठ इलाज के लिए लंदन भेजा है ताकि वह समय पर ठीक हो सकें।' सैम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले सप्ताह दूसरे टेस्ट के पहले दिन टखने में चोट लगी थी। उन्हें छह सप्ताह आराम की सलाह दी गई है। सैम के चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लंदन से वापसी की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे में उन्होंने 235

रन बनाए थे। अगर वह वापसी करते हैं तो फखर जमां के साथ ओपनिंग करते दिख सकते हैं। फखर पिछले कुछ समय से टीम के साथ नहीं दिखे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर किए जाने के बाद वह टीम में नहीं चुने गए हैं। हालांकि, 2017 में हुए पिछले चैंपियंस ट्रॉफी में वह शानदार फॉर्म में थे और चार मैचों में उन्होंने 252 रन बनाए थे। इनमें भारत के खिलाफ फाइनल में शतक भी शामिल है। मौजूदा ओपनर अब्दुल्ला शफीक फिलहाल बुरे फॉर्म में हैं और उन्हें बाहर किया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह लगातार शून्य पर आउट हुए थे। इसके अलावा बाबर आजम, सलमान आगा का भी चुना जाना तय है। मोहम्मद रिजवान विकेटकीपर और कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम में शादाब खान और इफ्तिखार अहमद की भी वापसी हो सकती है। पेस अटैक की जिम्मेदारी शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ संभाल सकते हैं। अबरार अहमद स्पिनर हो सकते हैं। इसके अलावा इमाम उल हक, उस्मना खान, सुफियान मुकीम और अब्बास अफरीदी का भी चयन हो सकता है। रिजर्व खिलाड़ियों में आमिर जमाल, तैयब ताहिर और मोहम्मद हसनैन हो सकते हैं। इमाम उल हक, सैम अयूब, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, फखर जमां, सलमान आगा, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, उस्मान खान, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अबरार अहमद, सुफियान मुकीम, अब्बास अफरीदी। पाकिस्तान की टीम ग्रुप-ए में भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के साथ है। पाकिस्तान का सामना 19 फरवरी को टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में न्यूजीलैंड से कराची में है। इसके बाद टीम 23 फरवरी को महामुकाबले में भारत से दुबई में भिड़ेगी। फिर रिजवान की टीम 27 फरवरी को बांग्लादेश से रावलपिंडी में भिड़ेगी।

चीन-नेपाल की नजदीकी का क्या है मतलब ड्रैगन की नापाक चाल

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। इस यात्रा को नेपाल को चीन के और नजदीक ले जाने का सूचक माना जा रहा है, क्योंकि परंपरागत तौर पर नेपाल के नए प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा पर भारत आते रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतिकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति को कमजोर करार देने के बराबर है। तथ्य बताते हैं कि जितनी भी बार ओली और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (एमाले) ने चीन के साथ समझौते या राजनीतिक संबंधों की वकालत की है, वह मुख्यतः प्रतीकात्मक ही रही है और परिणामों पर कम खरी उतरी है। चूंकि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता एक सामान्य बात है और हर छह-आठ महीनों में एक नई सरकार आती है, ऐसे में हर प्रधानमंत्री का भारत आना नेपाली विदेश नीति के लिए दूसरे पड़ोसी देश की अनदेखा करने का संकेत माना जा सकता है। इससे उसके हित प्रभावित हो सकते हैं। यहां यह भी देखना जरूरी है कि ओली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ एक गठबंधन वाली सरकार चला रहे हैं और नेपाली कांग्रेस भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत करती रही है। चूंकि मौजूदा सरकार में विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस से हैं, ऐसे में नेपाली कांग्रेस भारत के साथ इतना बड़ा जोखिम लेने से बचेगी। इसलिए नेपाल दो पड़ोसियों के बीच संतुलित विदेश नीति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ओली का चीन के प्रति झुकाव नेपाल के लिए फायदे का सबब बना है? उत्तर नकारात्मक ही है, क्योंकि नेपाल और चीन के बीच जितने भी बड़े समझौते पिछले दस वर्षों में हुए हैं, उनमें ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़े हैं और यह बात चीन को सताती रही है। मई 2017 में चीन ने नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर समझौता किया, जिसे चीन की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा गया, क्योंकि भारत लगातार बीआरआई के अंतर्गत बने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की आलोचना करता रहा है। बीआरआई समझौते के तहत चीन को नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे वाली तमाम परियोजनाओं में निवेश करना है, जिनमें ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क खास है, जो नेपाल को रेल एवं सड़क मार्ग से तिब्बत प्रांत से जोड़ने वाला है। इससे ऐसा लगा कि नेपाल चीन के रास्ते भारत पर अपनी निर्भरता कम करने का मार्ग खोज रहा है, लेकिन करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नेपाल में ऐसी एक भी परियोजना लागू नहीं हो सकी है। इसके दो कारण हैं। पहला, नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के चलते परियोजनाओं की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरा, नेपाल लगातार चीन से बीआरआई के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए सहयोग वित्तीय सहायता के तौर पर चाहता है। जबकि चीन कर्ज देने में रुचि रखता है। श्रीलंका का उदाहरण देखते हुए नेपाल इससे डर रहा है। बड़े कर्ज के चलते श्रीलंका को अपने हंबनटोटा जैसे बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथों में देना पड़ा है। अगर नेपाल चीन से कर्ज लेता है तो भविष्य में उसे नेपाल पर दबाव बनाने का अवसर मिलेगा, जो बीआरआई का मुख्य वैश्विक उद्देश्य रहा है। वर्ष 2016 में ओली ने अपनी चीन यात्रा के दौरान उसके साथ परिवहन एवं परिगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेपाल चीन के छह बंदरगाहों के रास्ते अन्य देशों से व्यापार कर सकता है। नेपाल पूरब में चीन से और तीन ओर से भारत से घिरा हुआ है। वह भारत के बंदरगाहों का उपयोग कर अन्य देशों से व्यापार करता रहा है। यह उसके लिए हर तरह से फायदेमंद है, लेकिन 2015 में भारत के साथ सीमाबंदी का मुद्दा सामने आने के बाद ओली ने चीन को एक विकल्प के तौर पर दिखाने का प्रयास किया। व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो चीन के बंदरगाह नेपाल से कम से कम 3,000 किलोमीटर दूरी पर हैं। जबकि भारत का कोलकाता बंदरगाह मात्र 700 किलोमीटर दूर है। समझौते के छह साल बाद भी नेपाल ने चीन के बंदरगाहों के रास्ते केवल एक ही बार व्यापार किया है। इसकी वजह यह है कि नेपाल के लिए भारत के रास्ते व्यापार करना आसान और किफायती है। भारत के साथ नेपाल के संबंधों पर प्रकाश डाला जाए तो हाल में नेपाल ने भारत के रास्ते बांग्लादेश को बिजली बेची है, जो क्षेत्रीय सहयोग में एक महत्वपूर्ण पहल है। बांग्लादेश को बिजली बेचने से नेपाल को न केवल आर्थिक फायदा होगा, बल्कि उसके लिए भारत के रास्ते अन्य देशों को भी बिजली बेचने के रास्ते खुलेंगे। भारत और नेपाल पनबिजली क्षेत्र में एक और मजबूत साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके अलावा आज भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा विवाद जैसे मुद्दे के बावजूद भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देश विज्ञान और तकनीक जैसे नए क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में, इस नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा कि ओली की चीन यात्रा भारत के लिए बुरी खबर है।

सम्पादकीय

इतिहास के मिथ्याकरण का रोग, सत्य किसी की हानि नहीं करता

बीते दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री भी कह चुके हैं, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई बन जाती है। वे लोग एक रह ही नहीं जाते। उनके स्वर विपरीत होने लगते हैं, जिससे एक-दूसरे को उपयुक्त रूप से नहीं समझ पाते। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। भारतीय सभ्यता के शत्रु यह विषय अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने और काल्पनिक बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास के पठन-पाठन के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इतिहास की पाठ्यपुस्तकें बनाने में लगे विद्वान मिशेल दानीनो ने देश के कुछ स्कूली शिक्षकों से संवाद किया। इसमें उन्होंने अनेक गंभीर प्रश्नों का सामना किया। एक शिक्षक ने पूछा कि 'विवादित मुद्दों पर बच्चों को कैसे पढ़ाएं?' उदाहरण के लिए आजादी पाने में महात्मा गांधी और भगत सिंह की भूमिका? क्या यह कहना ठीक है कि राजनीति में अहिंसा की विजय हुई?' दानीनो के अनुसार शिक्षक को फैसला देने वाला जज नहीं बनना चाहिए। किसी ऐतिहासिक व्यक्ति की निंदा या प्रशंसा से बचें। छात्रों के समक्ष अधिकाधिक तथ्य रखना ही उपयुक्त है, ताकि छात्रों में सत्य के अन्वेषण के प्रति रुचि पैदा हो। किसी भी मुद्दे पर भरपूर तथ्यों को जानने के बाद वह अपना मत स्वयं बनाने के लिए स्वतंत्र रहें। इसीलिए, यहां सम्राट अशोक या सिकंदर को 'महान' कहना अनावश्यक है। उससे मुश्किलें पैदा होती हैं। केवल उन ऐतिहासिक व्यक्तियों के कार्य एवं विचार प्रमाणिक रूप से सामने रख देना उचित है। इसी तरह, असुविधाजनक तथ्यों की लीपापोती भी अनुचित है। जैसे, भारतीय इतिहास में हजारों मंदिरों का विध्वंस अथवा समाज में चल रहा जातिगत भेदभाव। ठोस तथ्यों को सामने रखना न केवल सही शिक्षा है, बल्कि उसी से लोगों के बीच विश्वास और सद्भाव बनता है, क्योंकि सत्य किसी की हानि नहीं करता। जबकि मिथ्याकरण से संदेह, द्वेष और छल का अंतहीन क्रम बनता है, जिससे देर-सबेर समाज की हानि होती है। किसी घटना या व्यक्ति के बारे में अधिकाधिक और प्रमाणिक तथ्य रखना ही लेखक या शिक्षक का कर्तव्य है। उनसे किसी प्रश्न पर पाठक स्वयं उत्तर निकालेंगे। यह पद्धति ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी। दुर्भाग्यवश स्वतंत्र भारत में इतिहास शिक्षा राजनीति से ग्रस्त होती गई। इससे मिथ्याकरण को बढ़ावा मिला। हमारे अभिलेखागारों में तमाम दस्तावेज और पांडुलिपियां अनछुई हैं। युवा शोधकर्ताओं तथा छात्रों को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं। कालांतर में वे किसी भी रूप में ज्वालामुखी होकर फटती हैं। अज्ञेय ने कहा था, 'जबरन दमित करने से कुछ स्मृतियां प्राकृतिक रूप से लुप्त नहीं हो पातीं। उलटे उनमें ऊर्जा का ऐसा संचय होने लगता है, जिसके परिणाम अपूर्वानुमेय हो जाते हैं।' कुछ विद्वान मानते हैं कि कोई संपूर्णतः वैज्ञानिक या वस्तुगत इतिहास नहीं होता। हर लेखन में लेखक के कुछ आग्रह, पूर्वाग्रह या भूल होती ही है। भारतीय इतिहास में भी कई बड़े नेताओं के विचार और उनके व्यक्तिगत राग-द्वेष हैं। देश-विभाजन जैसे आकस्मिक फैसले से लाखों-करोड़ों लोगों की बेहिसाब हानि हुई। उसके अन्य क्रमिक परिणामों का बहीखाता भी खासा मोटा है। उनके तथ्य और सबक गंभीरता से जानने, समझने और विचार करने योग्य हैं। इसके बदले केवल गुलाबी रंग की अर्धसत्य जीवनियां पढ़ाना नितांत अहितकर है। इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है। युवा पीढ़ी को मात्र लफ्फाजी में उलझाए रखने वाले साहित्यकार, इतिहासकार और नेता गलती करते रहे हैं। कठोर वास्तविकताएं, अप्रिय प्रवृत्तियां भी मानव जीवन का अभिन्न अंग रही हैं। सच्ची शिक्षा पलायनवादी नहीं हो सकती। यथार्थ इतिहास और जनजीवन में राजनीतिक उद्देश्यों से काट-छांट, रंग-रोगन करना अंततः हानिकर साबित होता है, लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। तब किनसे भावी पीढ़ियां कुछ सीख सकेंगी? असंख्य प्रसंगों एवं व्यक्तित्वों के विषय में जानकारी पर मानो ताला लगाए रखा गया है।

संकट में भारतीय ज्ञान परंपरा, भारत के लिए औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति जरूरी

यद्यपि हमने 15 अगस्त, 1947 को तत्कालीन औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, किंतु अंग्रेजों की लगभग 200 वर्षों की दासता का दुष्प्रभाव हमारी संस्थाओं, व्यवस्थाओं, राजनीतिक-सामाजिक प्रतीकों एवं जीवनशैली में विद्यमान है। औपनिवेशिक प्रवृत्ति एवं परंपराओं, हमारी शासन व्यवस्था, भाषा, वास्तुकला एवं जीवन के अन्यान्य क्षेत्रों में अब भी मौजूद हैं। तत्कालीन भौगोलिक परतंत्रता अब मानसिक और सांस्कृतिक गुलामी में परिवर्तित हो रही है। वर्तमान परिदृश्य में जब भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम औपनिवेशिक मानसिकता एवं उसके प्रतीकों से मुक्त हों। आज विश्वभर के चिंतक इस बात से सहमत हैं कि गुलामी केवल शारीरिक रूप से किसी देश पर अधिकार जमाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह उस राष्ट्र के जीवन दर्शन एवं मूल्यों को भी प्रभावित करती है। अंग्रेजों ने भारत पर शासन करते हुए सिर्फ भौगोलिक एवं आर्थिक शोषण ही नहीं किया, वरन सामाजिकता, परंपरा, इतिहास और सांस्कृतिक अस्मिता को भी

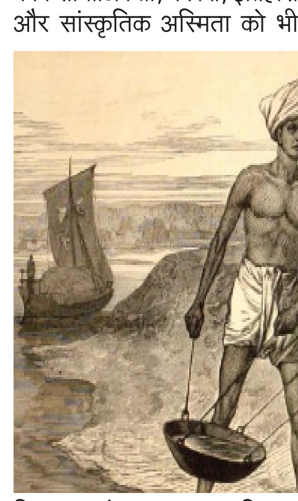

विकृत करने का दुष्प्रयास किया। परिणामस्वरूप ऐसी मानसिकता का विकास हुआ जिसमें भारतीय नागरिक 'स्व' के अस्तित्व को भूलकर पश्चिमी सभ्यतागत विमर्श के अनुगामी बन बैठे। जैसे कि भारत में आज भी अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व है। अंग्रेजी के मुकाबले अन्य भारतीय भाषाओं को हीनता की दृष्टि से देखा जाता है। उच्च शिक्षा, न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक कार्यों में अंग्रेजी का ही बोलबाला है। भारतीय भाषाओं का व्यवहार करने वालों को कमतर आंका जाता है एवं अंग्रेजी बोलने वालों को अधिक योग्य माना जाता है। कई माता-पिता इस बात पर गर्व करते हैं कि हमारा बेटा जिस स्कूल में पढ़ता है वहां एक भी शब्द हिंदी का बोलने नहीं दिया जाता। युवा पीढ़ी न तो अपनी मातृभाषा में लिखने-पढ़ने में सक्षम है और न ही भारतीय साहित्य और ग्रंथों को समझने में। ऐसी स्थिति ने भारतीय ज्ञान परंपरा को संकट में डाल दिया है। अंग्रेजी से हमें परहेज नहीं होना चाहिए, परंतु उसे अपनी मातृभाषा से ज्यादा महत्व देना ठीक वैसे है जैसे अपनी मां के स्थान पर दूसरे की मां को अधिक श्रेष्ठ मानना। आज संपूर्ण जीवनशैली में पश्चिमी बातों का अंधानुकरण करना एक 'स्टेटस सिंबल' सा बन गया है। परंपरागत व्यंजनों के प्रति हमारी रुचि कम हो रही है एवं पाश्चात्य व्यंजन हमारी थाली की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हम जो फादर्स-मदर्स-ब्रदर्स-सिस्टर्स-वैलेंटाइन डे आदि मनाते हैं, यह तो हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं, अपितु पाश्चात्य संस्कृति की भोंडी नकल हैं। हमारे लिए तो जीवन का प्रत्येक क्षण इन रिश्तों में आत्मीयता हेतु समर्पित था। हम अपनी प्रकृति-प्रेमी जीवनशैली से विरक्त होकर प्रकृति विरोधी पथ पर अग्रसर हो गए हैं। परिणामतः जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को विवश हैं। संपूर्ण व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित करने वाली गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के बजाय भारतीय शिक्षा प्रणाली आज भी मैकाले द्वारा स्थापित ढांचे पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारतीयों को अंग्रेजी शासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था। हमारी शिक्षा व्यवस्था आज पश्चिमी ज्ञान को श्रेय देती है एवं भारतीय ग्रंथों, विज्ञान और परंपराओं को हाशिये पर धकेल रही है। इस हेतु हमें भारतीय ज्ञान प्रणाली का नए सिरे से अध्ययन एवं वर्तमान में उनकी उपादेयता पर सघनता से कार्य करना होगा। आज भी भारतीय न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्था ब्रिटिश माडल पर आधारित है। न्यायिक प्रक्रिया अंग्रेजी में होती है, जो आम जनमानस की समझ से परे है। इस दिशा में तेजी से परिवर्तन की आवश्यकता है। भला हो मोदी सरकार का जिसने पहली बार भारतीय न्याय संहिता लागू की। अंग्रेजों ने भारतीयों में यह भावना विकसित की कि हम सभ्यता, ज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में पश्चिम से कमतर हैं। यहां तक कहा गया कि भारतीयों को सभ्य बनाना अंग्रेजों का अतिरिक्त कर्तव्य है। यह मानसिक गुलामी हमारे विकास में बाधा बन रही है। भारतीय परंपराओं, संस्कारों, रीति रिवाजों, कौशल-विकास परंपरा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था आदि को आधुनिकता के नाम पर त्यागा जा रहा है। युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से अनभिज्ञ होती जा रही है। हम अपने संसाधनों और प्रतिभा का संपूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। विदेशी वस्तुओं, तकनीक और सेवाओं पर अत्यधिक निर्भरता आत्मनिर्भर भारत के मार्ग में अवरोध है। ऐसे में यक्ष प्रश्न है कि मानसिक गुलामी से मुक्ति कैसे पाई जाए? औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के लिए देश को व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। यह केवल सरकारी नीतियों तक सीमित नहीं हो सकता, अपितु समाज के प्रत्येक वर्ग को मनसा, वाचा, कर्मणा इस महायज्ञ में आहुति डालनी होगी।

यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच टाला, नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटाई गई

यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच टाला, नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटाई गई नोएडा यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला लिया है। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही फिर से शुरू हो गई। यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला लिया है। यह निर्णय किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही फिर से शुरू हो गई। किसानों ने अपनी मांगों पर केंद्र सरकार से एक हफ्ते का समय मांगा है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे, और अगर एक हफ्ते में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे फिर से दिल्ली कूच करेंगे। किसानों ने एक हफ्ते का समय लिया किसान संगठनों और तीनों प्राधिकरणों के बीच कई घंटे की बातचीत के बाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण ने किसानों से एक हफ्ते का समय मांगा, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया। किसानों का कहना है कि वे अब दलित प्रेरणा स्थल पर ही रहेंगे और वहां तक इंतजार करेंगे। अगर एक हफ्ते में उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो वे दिल्ली कूच करेंगे। इस बीच, एक्सप्रेस-वे पर बैरिकेडिंग हटा दी गई है और आवाजाही सामान्य हो गई है। अधिकारियों ने किसानों को दिया समाधान का आश्वासन ज्वाइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर नोएडा, शिवहरि मीना ने कहा, ठकिसानों ने आज 'दिल्ली चलो' मार्च का ऐलान किया था और हम लगातार उनसे संपर्क में थे। किसानों ने अपनी सभी मांगें अधिकारियों के सामने रखी हैं, और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा। पवन खटाना का बयान, ठकिसानों के हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन खटाना ने कहा, ठगौतमबुद्ध नगर के जिन किसानों की ज़मीन गई है, उनके लिए हमारी मुख्य मांग है कि उन्हें 10ज़ विकसित प्लॉट दिया जाए और जिन किसानों को अभी तक पारिश्रमिक नहीं मिला है, उन्हें 64.7ज़ मुआवज़ा दिया जाए। 2013 में गौतमबुद्ध नगर के किसानों ने

भूमि अधिग्रहण कानून के लिए संघर्ष किया और उसे पास करवाया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। न कोई किसान को चार गुना मुआवज़ा मिला है, न ही सर्किल रेट में वृद्धि हुई है। एयरपोर्ट के कारण किसान विस्थापित हो रहे हैं, लेकिन विस्थापन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया। हम तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक नीति में बदलाव नहीं होता। हमने सड़क नहीं रोकी है, प्रशासन ने यह किया है। हम अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सड़क रोकी, इसलिए हमें कुछ समय के लिए रुकना पड़ा। किसान नेता सुखबीर खलीफा का बयान, कहा- अन्नदाता' के हक के लिए लड़ेंगे भारतीय किसान परिषद के नेता सुखबीर खलीफा ने कहा, ठहम मजबूत इरादों और पूरी मेहनत और समर्पण के साथ आए हैं, ताकि हमारे 'अन्नदाता' के अधिकारों के लिए संघर्ष कर सकें। किसानों का शोषण हो रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने देंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें 10ज़ भूखंड मिलें। हमें आश्वासन मिला है कि सचिव स्तर की बातचीत के बाद हमारी समस्याओं का समाधान होगा। तब तक हम दलित प्रेरणा स्थल पर डेरा डालेंगे। हम न आगे बढ़ेंगे और न पीछे हटेंगे। किसानों की मांग, 10ज़ विकसित भूखंड और मुआवजा भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन खटाना ने कहा, ठगौतम बुद्ध नगर के उन किसानों की मुख्य मांग है, जिन्होंने अपनी ज़मीन खो दी, उन्हें 10ज़ विकसित भूखंड और 64.7ज़ मुआवजा मिले, जो अब तक नहीं दिया गया है। 2013 में किसानों ने भूमि अधिग्रहण अधिनियम के लिए संघर्ष किया और इसे पारित कराया, लेकिन यह लागू नहीं हुआ। कोई भी किसान चार गुना मुआवजा नहीं प्राप्त कर सका है और सर्कल रेट में कोई वृद्धि नहीं हुई है। एयरपोर्ट के कारण किसानों का विस्थापन हो रहा है, लेकिन विस्थापन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हम तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक विस्थापन नीति में बदलाव नहीं होता। हम अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सड़क को ब्लॉक किया, इस कारण हमने अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम, कहा- दलित प्रेरणा स्थल पर जारी रहेगा धरना किसान संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। प्रशासन ने 7 दिन का समय मांगा था, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया है। इस दौरान दलित प्रेरणा स्थल पर आंशिक धरना जारी रहेगा। किसान नेताओं का कहना है कि यदि 7 दिन के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो किसान संगठन फिर से दिल्ली कूच करेंगे। बैरिकेड्स हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल का रास्ता भी खोल दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने दी जानकारी अब ट्रैफिक सामान्य हो गया है नोएडा में कानून और व्यवस्था के संयुक्त पुलिस आयुक्त शिवहरि मीना ने कहा, ठकिसानों ने आज 'दिल्ली चलो' मार्च का आह्वान किया था, और हम लगातार उनके साथ वार्ता कर रहे थे। किसानों ने अधिकारियों से अपनी मांगें रखी हैं और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है। अब ट्रैफिक सामान्य हो गया है।ठ बैरिकेड्स हटाए जाने के बाद फिर से शुरू हुआ ट्रैफिक नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल के पास किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण ट्रैफिक प्रभावित था, लेकिन अब पुलिस ने बैरिकेड्स हटाकर ट्रैफिक को फिर से सामान्य कर दिया है।

केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष हंगामे की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह

संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरू होने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरू होने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के चंद दिन पहले अमेरिकी अदालत का यह सनसनीखेज आदेश आया कि अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी की ओर से भारत में सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए कुछ राज्य सरकारों को रिश्वत दी गई और चूंकि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अमेरिका के निवेशकों से पैसा लिया गया, इसलिए अमेरिका के कानूनों के तहत इस मामले की जांच अमेरिकी

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से की जा रही है। इस मामले में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के कुछ अधिकारियों को आरोपित किया गया है। न्यूयार्क की अदालत की मानें तो अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 22 सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की रिश्वत दी। अदाणी समूह पहली बार विवादों में नहीं आया। इसके पहले अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडनबर्ग की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि इस समूह ने अपने शेयरों में हेराफेरी की। यह रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन बाद में एक बड़ी हद तक क्षति की भरपाई हो गई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही नहीं माना।

वैश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को को सम्मानित किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। शहर के पीएसी रोड पर एक नव वर्ष 2025 शुभकामनाओ

के क्रम में एक कार्यक्रम आज अखिल भारतीय अग्रहरि व वैश्य समाज द्वारा गोरा बजार के पीएसी रोड पर वैश्य समाज के सभी लोग एकत्रित होकर शुभकामनाये प्रेषित किया, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र वैश्य जिला महामंत्री शिव सागर अग्रहरि, टीएन गुप्ता सयुंक्त वैश्य समाज के सैकड़ों लोगों नये वर्ष पर बैठ कर समाज के विषय पर गोष्ठी पर चर्चा में शिव सागर अग्रहरि ने कहा कि वैश्य समाज अलग अलग बिखरा है सभी को एकजुट कर एक साथ खड़े होकर संगठन को मजबूत करे इसी क्रम में वैश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को फूल माला साल पहनाकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के समापन पर चोखा बाटी दाल चावल खीर का आनंद लिया और एक दूसरे को बधाई दिया।जिले भर से विभिन्न वैश्य बन्धु आये जिसमे अधिवक्ता श्री शंकर लाल गुप्त इन्द्र कुमार वर्मा विजय रस्तोगी टी एन गुप्ता महेश पटवा विजय वर्मा,फूल चन्द्र अग्रहरि डा जे के पंकज मुरारका भारत राम कवॅल अकेला गुड्डू ठेकेदार राम गोपाल वैश्य राजेन्द्र वैश्य आदि वैश्य समाज के बन्धु उपस्थित थे।

किसान संगठन की बैठक में किसानों को सहयोग करने वालो को सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा किसान संघर्ष मोर्चा गौतम बुध नगर के संगठन अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान परिषद, किसान एकता संघ के सैकड़ो नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष उमेश भाटी पूर्व सचिव धीरेंद्र भाटी वर्तमान अध्यक्ष परमेंद्र भाटी

एवं वर्तमान सचिव अजीत नागर का किसान आंदोलन में सहयोग करने के लिए पगड़ी बांधकर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया- सुमित एडवोकेट पवन एडवोकेट विनोद एडवोकेट गजेंद्र खारी एडवोकेट, धर्मेंद्र यादव, धर्मेंद्र भाटी जुनपत, एडवोकेट, श्याम सिंह भाटी एडवोकेट, सुशील एडवोकेट एवं अन्य सहयोग करने वाले वकीलों का फूलमालाओं से स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का संचालन बार सचिव अजीत नागर ने किया। उपस्थित अधिवक्ताओं एवं स्वागत करने वाले किसानों को संबोधित करते हुए सोरन प्रधान ने कहा कि हम वकीलों का आभार प्रकट करते हैं वकीलों ने जेल जाने के दौरान किसानों की बेहिसाब मदद की और उनके आंदोलन को हड़ताल करके समर्थन दिया किसान हमेशा वकीलों के आभारी रहेंगे। बार के पूर्व अध्यक्ष उमेश भाटी ने कहा कि हम हमेशा किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। बार के वर्तमान अध्यक्ष परमेंद्र भाटी ने संबोधित करते हुए कहा कि किसान आंदोलन पूरे जिले का आंदोलन है वकील भी किसानों के ही बच्चे हैं वर्तमान बार किसानों के साथ हर आंदोलन में हर मुसीबत में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। भारतीय किसान परिषद के सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के आबादी, नए कानून एवं अन्य प्रकरणों पर सरकार और प्राधिकरण के साथ लगभग सहमति बन गई है 10 परसेंट के मुद्दे पर तीनों प्राधिकरण से प्रस्ताव पास होकर शासन के अनुमोदन के लिए लंबित है जिस पर लगातार संघर्ष जारी रहेगा। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि आंदोलन लगातार जारी रहा है लगातार जारी रहने लगातार संघर्ष करने के कारण बहुत सारे मुद्दे हल हुए हैं बाकी बचे मुद्दों को भी हल करके ही दम लेंगे। टीकम महाशय है और बबली गुर्जर ने मोदीनगर और गाजियाबाद से आकर जेल गए तन्हाई में रहे किसानों का फूल मालाएं पहनाकर पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। टीकम महाशय ने संबोधित करते हुए कहा कि किसान सभा गाजियाबाद पूरी तरह गौतम बुद्ध नगर के आंदोलन के साथ खड़ी है हर मुसीबत में हमेशा की तरह हम लोग साथ रहेंगे। गंगेश्वर दत्त शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के कई संगठन जेल जाने के डर से आंदोलन को छोड़ गए केवल पांच संगठन बहादुरी के साथ आंदोलन में जमे रहे और जेल जाने से नहीं डरे यही वजह है कि माननीय मुख्यमंत्री ने उन संगठनों के प्रतिनिधियों से सभी मुद्दों पर विस्तार से 45 मिनट तक बातचीत की और सभी मुद्दों का सकारात्मक हल करने का आश्वासन दिया। स्वागत कार्यक्रम में देशराज राणा, निशांत रावल, तेजपाल रावल, अशोक भाटी, सुरेंद्र भाटी अजय पाल भाटी सुमित एडवोकेट डॉक्टर जगदीश सुरेश यादव कुंवरपाल प्रधान जयवीर प्रधान जयप्रकाश आर्य नीरज चौहान दुर्गेश शर्मा वनीष प्रधान एवं सैकड़ो कार्यकर्ता एवं वकील उपस्थित रहे।

माई की रसोई भंडारे प्रसाद वितरण के 6 वर्ष पूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मैहर। मैहर मां शारदा देवी मंदिर के पुजारी रमेश पांडेय बम महराज के पुत्र धीरज पांडे द्वारा समाज सेवा जन चेतना एवं मां शारदा देवी मंदिर आने वाले श्रद्धालु भक्तों के लिए निशुल्क भोजन

प्रसाद वितरण के लिए माई की रसोई एवं रो पवे परिसर पर खिचड़ी प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आज से 6 वर्ष पूर्व शुरू किया था जिसके 6वा वर्षगांठ आज पूरे होने के दौरान मां शारदा देवी मंदिर के प्रधान पुजारी पवन पांडे दाऊ सरकार भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने एवं माई की रसोई के संचालक धीरज पांडे द्वारा कन्या पूजन के साथ मां को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया और भक्तों के बीच वितरण किया गया साथ ही केके काटकर छटवा वर्ष गांठ मनाया गया इस अवसर पर मां शारदा देवी मंदिर के प्रधान पुजारी पवन पांडे ने कहा कि भक्तों की सेवा और मां शारदा देवी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा माध्यम बन गई है माई की रसोई जहां पर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े व्यक्ति के लिए पेट भर भोजन निशुल्क व्यवस्था पर चलाया जा रहा है उसके लिए धीरज पांडे बधाई के पात्र हैं कमलेश सुहाने ने कहा कि दान करना सबसे बड़ा धर्म है हिंदू संस्कृति और सनातन धर्म में धर्म के प्रति अनेकों कार्य किए जाते हैं धीरज पांडे द्वारा इस श्रृंखला पर यह निशुल्क प्रसाद वितरण का कार्यक्रम की जो पहल शुरू की गई है वह काफी सराहनीय है धीरज पांडे ने कहा कि माई की रसोई के द्वारा मैहर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए होटल सरगम में निशुल्क ठहरने आवास व्यवस्था एवं सुबह प्रातः 10:00 से लेकर रात्रि 10:00 तक आने वाले श्रद्धालु भक्तों के लिए भरपेट भोजन की व्यवस्था बैठा कर खिलाई जाती है इसके अतिरिक्त रो पवे कंपाउंड पर खिचड़ी प्रसाद का वितरण निरंतर चलता आ रहा है मैहर मां शारदा देवी मंदिर मैहर का ये पहला प्रयास था जो काफी सार्थक सिद्ध हुआ है।

सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा नोएडा सेक्टर 71 शिव शक्ति अपार्टमेंट के बारात घर में मासिक बैठक का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा महानगर संगठन द्वारा नोएडा सेक्टर 71 शिव शक्ति अपार्टमेंट के सामुदायिक केंद्र में रेशपाल अवाना ने कहा कि कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रत्येक सेक्टर व गांवों में करना होगा तभी संगठन वीरपाल प्रधान, महकार तंवर,चिंटू त्यागी, योगेश भाटी, अमित भाटी, अंकित यादव ,नितिन वाल्मीकि,नीरज चौटाला ,बाबूलाल

सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने बैठक में संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने निष्क्रिय पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की भी बात कही, साथी साथ बी ल ए की नियुक्ति व प्रत्येक गांव सेक्टर में पी डी ए पंचायत के कार्यक्रम को आयोजित करने की बात कही। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा कि सभी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एक जुट होकर काम करें और आगामी विधानसभा चुनाव में जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार रहे। पूर्व अध्यक्ष और पार्टी मजबूत होगी। उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है महंगाई व बेरोजगारी से आम जनता त्रस्त हैं, जनता के उत्पीड़न व बढ़ते अपराधों की घटनाओं से जनता में त्राहि -त्राहि है। मंच का संचालन बिजेंद्र यादव व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता द्वारा अन्य राजनीतिक दलों से आए, गौरव चौधरी, मोहन सिंह व जावेद सैफी को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलवाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में. संजय त्यागी, मोहम्मद तसलीम, नीतीश बसोया, बबलू चौहान, टीटू यादव, बंसल , नूरुल हसन , शालिनी खारी ,लखन यादव, बबली शर्मा, राम सहेली, रिंकू यादव ,लोकेश यादव,अमित बसोया,विजेंद्र यादव, छविनाथ यादव, शिवकुमार यादव, विजय शर्मा, राजेश अंबावत ,दाताराम यादव, अनिकेत, जाहिद सैफी, अच्छे मियां ,कैलाश यादव, गौरव यादव, राकेश यादव ,मोहम्मद नसीम, चिंता देवी, विमला ,रेणुका मेथी, केपी यादव, अमित बसोया, साहिल शेख, तनवीर हुसैन, रूप सिंह,मयंक कुमार,विवेक यादव, बिल्लू सैफी ,इंद्रपाल यादव, यतेंद्र राघव, मोहित यादव, देवेंद्र खारी,राजेश कुमार, अविनाश शर्मा, देव अवाना ,कन्हैया ,जयवीर यादव, विश्वास मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जनपदों में नवीन मल्टीप्लेक्स निर्माण एवं सिनेमाघर मल्टीप्लेक्स के उच्चीकरण हेतु समेकित प्रोत्साहन योजना जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। सहायक आयुक्त राज्य कर खंड-1/प्रभारी पूर्व मनोजरंजन कर रायबरेली अमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि प्रमुख सचिव उत्तर-प्रदेश शासन, राज्य कर अनुभाग-5, के शासनादेश के क्रम में प्रदेश में बन्द पड़े अथवा घाटे में चल रहे छविगृहों को पूर्ण रूप से तोड़कर उसके स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त लघुक्षमता के सिनेमा हाल सहित व्यवसायिक काम्पलेक्स के निर्माण, पुराने बन्द पड़े एवं संचालित सिनेमाघरों के भवन की आन्तरिक संरचना में परिवर्तन (रिमॉडल) कर पुनः संचालित होने वाले सिनेमाघरों, प्रदेश में बन्द पड़े एकल सिनेमाघरों को बिना किसी आन्तरिक संरचना में परिवर्तन किये यथास्थिति में पुनः संचालित करने वाले सिनेमाघरों, व्यवसायिक गतिविधियों सहित रहित न्यूनतम 75 आशन क्षमता के एकल स्क्रिन सिनेमाघरों के निर्माण जिन जनपदों में एक भी मल्टीफलेक्स निर्मित/संचालित नहीं है वहीं मल्टीप्लेक्स खुलवाने, जिन जनपदों में मल्टीफलेक्स निर्मित संचालित है उन जनपदों में नवीन मल्टीप्लेक्स निर्माण एवं सिनेमाघर मल्टीप्लेक्स के उच्चीकरण हेतु समेकित प्रोत्साहन योजना जारी की गई है।उन्होंने समस्त को सूचित किया है कि सभी बन्द छविगृह स्वामी/लाइसेन्सी/प्रबन्धक/संचालक या अन्य इच्छुक व्यक्ति/फर्म/कम्पनी उपरोक्त शासनादेश का लाभ उठायें एवं अन्य सहयोग व सहायता के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय उपायुक्त राज्य कर (पूर्व मनोरंजन कर), जनपद रायबरेली में सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

भाजपा नोएडा महानगर की जिला कार्यकारिणी बैठक जिला कार्यालय सेक्टर 116 में संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा भारतीय जनता पार्टी की ये बैठक आगामी कार्यक्रम संविधान गौरव अभियान को ले कर आयोजित हुई। बैठक में मुख्य और 7 जनवरी एवं मंडल स्तर पर 9 जनवरी को बैठकों को आयोजित करनी है। इसमें सभी पदाधिकारी और मंडलों के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके बाद 9 से 10 जनवरी साथ डॉक्टर महेश शर्मा ने हाल ही में हुए नए मंडल अध्यक्षों को भी सम्मानित किया जिसमें नवनियुक्त श्याम प्रसाद मुखर्जी से रामकिशन यादव, कृष्णा नगर मंडल से मनीष

अतिथि के रूप में गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता नोएडा के जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता द्वारा की गई। डॉक्टर महेश शर्मा ने इस बैठक में बताया कि भारत के संविधान को निर्मित हुए 75 वर्ष हो रहे हैं। इस अवसर पर संविधान के महत्वपूर्ण गौरव अभियान को एक उत्सव के रूप में हम सबको मनाना है। इस अभियान के तहत डॉ भीमराव अंबेडकर जी को सभी याद करेंगे और उनके द्वारा किए कार्यों की चर्चा भी करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि संविधान गौरव अभियान के लिए विभिन्न स्तर पर टोलियों का गठन हो रहा है, इसमें प्रदेश, जिले और मंडल स्तर पर टोली बनाई जा रही है। टोलियों में एक संयोजक और 2 सह संयोजक रहेंगे। 1 से 9 जनवरी के बीच जिले में और मंडल पर हम सभी को बैठक करनी है जिसमें जिला स्तर पर 6 के बीच मोर्चा को जिला स्तर पर बैठक करना है, जहां भाजपा की उपलब्धियां और बाबा साहब अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने की प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए बैठक किए जाएंगे। इसके बाद 12 से 15 जनवरी के बीच प्रदेश स्तर की गोष्ठियों की रूपरेखा बनाई गई है, साथ ही 11 से 25 जनवरी में सभी जिला केंद्रों में अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा हमारा संविधान - हमारा स्वाभिमानङ्ग पर गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। इसी के चलते विभिन्न स्कूल कॉलेज विश्वविद्यालय में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमानङ्ग के विषय पर युवा मोर्चा क्विज निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी कराएगा । 20 से 25 जनवरी के बीच सभी बूथों एवं मंडलों पर पार्टी के कार्यकर्ता आमजन के साथ इकट्ठे होकर भारतीय संविधान के प्रस्ताव एवं नीतियों पर चर्चा करेंगे। इसके तिवारी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल से शशिधर उपाध्याय, महाराणा प्रताप मंडल से दीनबंधु कुमार कुशवाहा, शहीद भगत सिंह मंडल से गौतम शर्मा, अटल बिहारी वाजपेई मंडल से नीरज चौधरी, सैनिक विहार मंडल से प्रदीप चौहान मौजूद रहे। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों को आगामी कार्यक्रमों के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने भी संविधान गौरव अभियान को एक सफल कार्यक्रम बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। बैठक में उमेश त्यागी, गणेश जाटव, डिंपल आनंद, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा, गिरीश कोटनाला, तन्मय शंकर, युद्धवीर चौहान, चमन अवाना, प्रमोद बहल, अमरीश त्यागी, एस पी चमोली, रवि प्रधान, प्रज्ञा पाठक, पंकज झा, गोपाल गौड़, ओम यादव, लोकेश कश्यप, शारदा चतुर्वेदी, सचिन अंबावत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुंशीगंज शहीद स्मारक पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह व गणमान्य जनों द्वारा शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात उ0प्र0 संघर्षो के बाद मिली है। हम सभी को इसका महत्व समझना चाहिए। उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि हमें राष्ट्र के प्रति अपने अपनी अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी अवगत करायें। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व शहीदों के परिवारिकजनों को माला पहनाकर

सरकार दिनेश प्रताप सिंह ने मुंशीगंज स्थल शहीद स्मारक में आयोजित शहीद श्रद्धांजलि समारोह के अवसर शहीदों के प्रति शहीद स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम 07 जनवरी 1921 को हुए किसान आन्दोलन के शहीदों की याद में आयोजित किया जाता है। मा0 मंत्री ने कहा कि सई नदी के पुनीत तट पर अंग्रेजों की नीतियों के खिलाफ किसानों ने एक बड़ा आन्दोलन किया जिसमें कई किसान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि यह आजादी हमारे पूर्वजों के अथक कर्तव्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी की कीमत हम सबको समझनी चाहिए। हमें अपने पूर्वजों द्वारा दिये गये बलिदान का सम्मान करना चाहिए। मा0 मंत्री ने कहा कि किसानों ने अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों का बलिदान किया, पीढ़ियों तक हमें उनका बलिदान प्रेरणा देता रहेगा, यह बलिदान साधारण बलिदान नहीं इसको हमे भुलना नही चाहिए। हमे आपनी आने वाली पीढ़ियों को भी बताना होगा जिससे वह भी प्रेरणा ले और शहीदों को नमन कर व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल भी लगाए गए, जिसका प्रतिभागियों द्वारा अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 अमृता सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, अध्यक्ष जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अनिल कुमार मिश्र सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारी आदि लोगों उपस्थित रहें।

सड़कों को गड्ढा मुक्त और कमीशनखोरी समाप्त करने की मांग, आप के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा और सड़कों को गड्ढामुक्त करने की मांग रखी। आरोप लगाया कि सड़क की गुणवत्ता खराब हो रही दिया जाएगा, लेकिन जनपद मऊ की स्थिति काफी खराब है। मांग किया कि जहां भी विद्यालय है उन सड़कों को चौड़ा किया जाए। कहा कि सरकार छोटे ठेकेदारों को समाप्त कर रही है। पहले छोटे

है इसके साथ ही मांग किया कि कमीशनखोरी समाप्त की जाए। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम जीत सिंह के नेतृत्व में बुधवार को अधिशासी अभिंयता लोक निर्माण विभाग को कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा। जनपद की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने और कमीशनखोरी समाप्त करने की मांग किया जिलाध्यक्ष विक्रम जीत सिंह ने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि सड़कों से गड्ढे समाप्त कर ठेकेदारों को पहले तेल विभाग से मिल जाता था और अब खरीदना पड़ता है। आज जिले के छोटे ठेकेदार परेशान है और रोजी रोटी चलाने में असमर्थ है। कहा कि विभाग में कमीशनखोरी के कारण सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता खराब हो रही है। सभी ने मांगों पर जल्द से जल्द कार्यवाही करने का आग्रह किया, नहीं तो आम जनमानस के हित के लिए बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

23 माह बाद चिड़ियाघर में आएगा 'गंगा प्रसाद' तैयार हो गया बाड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। चिलुआताल के मोहम्मदपुर माफी में 15 फरवरी, 2023 को यज्ञ की कलश यात्रा में शामिल हुआ था। किसी कारण से वह बिदक गया और फिर दो महिलाओं व चार वर्षीय बच्चे को सूंड से लपेटकर पटककर कुचल दिया। तीनों की मौत के बाद वन विभाग की टीम ने हाथी को रेस्क्यू किया और विनोद वन में रखा। 28 माह से विनोद वन में ही हाथी है। चिड़ियाघर लाए जाने के एक से दो दिन बाद सीएम योगी बाड़े का उद्घाटन कर सकते हैं। चिड़ियाघर में हाथी का रेस्क्यू सेंटर तैयार हो गया है। विनोद वन में रह रहे हाथी (गंगा प्रसाद) को अपना घर मिलने वाला है। नौ जनवरी को उसे बाड़े में शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ इसका लोकार्पण करेंगे। चिड़ियाघर प्रबंधन इसकी तैयारियों में जुटा है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर चिड़ियाघर प्रबंधन तेजी से तैयारी कर रहा है। हाथी को नौ जनवरी को बाड़े में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद एक से दो दिनों में सीएम के हाथों इसका लोकार्पण हो सकता है। हाथी के बाड़े के साथ सीएम तितलीघर, सोवनियर शॉप, काफी टेबल और डाक्यूमेंटरी का भी लोकार्पण करेंगे। वहीं, पीलीभीत से रेस्क्यू कर आए बाघ, बिजनौर का तेंदुआ और बहराइच से लाए गए भेड़ियों को भी बाड़े में छोड़ा जाएगा। गंगा प्रसाद चिलुआताल के मोहम्मदपुर माफी में 15 फरवरी, 2023 को यज्ञ की कलश यात्रा में शामिल हुआ था।किसी कारण से वह बिदक गया और फिर दो महिलाओं व चार वर्षीय बच्चे को सूंड से लपेटकर पटककर कुचल दिया। तीनों की मौत के बाद वन विभाग की टीम ने हाथी को रेस्क्यू किया और विनोद वन में रखा।

बॉलीवुड/टेली मसाला

तृप्ति डिमरी हो गईं 'आशिकी 3' से बाहर अब कार्तिक आर्यन के साथ दिखेगा किस अभिनेत्री का रोमांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आशिकी फिल्म के सीक्वल 'आशिकी 3' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस बीच खबरें आ रही हैं कि तृप्ति डिमरी अब इस फिल्म से बाहर हो गई हैं। कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की 'आशिकी 3' लगातार पीछे होती जा रही है। फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु कार्तिक आर्यन के साथ एक नई लव स्टोरी पर काम कर रहे हैं। इस बीच खबर आई है कि तृप्ति डिमरी फिल्म 'आशिकी 3' से बाहर हो गई हैं। मिड डे की रिपोर्ट की मानें तो तृप्ति डिमरी के इस प्रोजेक्ट में आने के बाद फिल्म को रोक दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक तृप्ति डिमरी आशिकी 3 का हिस्सा नहीं होंगी। वहीं, अनुराग बसु अब नई जोड़ी की इस फिल्म में दिखाने वाले हैं। तृप्ति डिमरी इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित थीं, हालांकि अब ऐसा नहीं होने वाला है। कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म में कोई नया चेहरा नजर आ सकता है। तृप्ति डिमरी की फिल्म आशिकी 3 इन दिनों विवादों में घिरी है। फिल्म को डिमरी ने पिछले साल फिल्म के लिए कुछ दिनों की शूटिंग की थी। यह एक मुहूर्त शॉट होना था। डिमरी के जाने के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इस फिल्म में भूषण कुमार और मुकेश भट्ट द्वारा निर्मित किया जाना था, लेकिन निर्माताओं के बीच झगड़े के बाद यह चर्चा आगे नहीं बढ़ पाई। खबरों की मानें तो तृप्ति डिमरी और कार्तिक आर्यन के साथ जनवरी महीने के अंत में या फरवरी के पहले सप्ताह में मुंबई में शुरू होगी। तृप्ति डिमरी के बाहर होने के बाद मुख्य अभिनेत्री की भूमिका के लिए कास्टिंग प्रक्रिया चल रही है। 2013 में रिलीज़ हुई आशिकी की दूसरे सीक्वल में श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी को देखा गया था।

एनिमल' से अपनी फिल्म 'किल' की तुलना पर फिर बोलीं प्रोड्यूसर गुनीत, वॉयलेंस को लेकर नजरिया बताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लगभग दो साल पहले बॉलीवुड में दो एक्शन फिल्में 'एनिमल' और 'किल' रिलीज हुईं। दोनों में ही वॉयलेंस दिखाया गया, ऐसे में दोनों की खूब तुलना हुई। हाल ही में फिल्म 'किल' की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने साफ किया कि उनकी फिल्म 'किल' का गुनीत मोंगा ने अपना पक्ष रखा था। हाल ही में एक इंटरव्यू में गुनीत मोंगा ने दोबारा इस सब्जेक्ट पर बात की। साथ ही अपनी फिल्म 'किल' और 'एनिमल' में बहुत बड़ा फर्क बता दिया। हाल ही में प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने फेय डिसूजा के यूट्यूब चैनल पर एक इंटरव्यू दिया। इस बातचीत रूप है।'प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा आगे कहती हैं, 'मुझे महिलाओं को एक ऑब्जेक्ट के तौर पर देखा पसंद नहीं है। मुझे यह पसंद नहीं है कि फिल्मों में महिलाओं के लिए नफरत दिखाई जाए।' फिल्म 'एनिमल' पर यही आरोप लगे थे कि उसमें महिलाओं को कमतर दिखाया गया है,

वॉयलेंस, फिल्म 'एनिमल' से काफी अलग है। गुनीत मोंगा ने बतौर प्रोड्यूसर कई बेहतरीन फिल्में अब तक बॉलीवुड में बनाई हैं। साल 2023 में उनके प्रोडक्शन तले एक फिल्म 'किल' रिलीज हुई। इस फिल्म के एक्शन को देश ही नहीं विदेश में भी सराहा गया। उसी साल रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' भी रिलीज हुईं। दोनों एक्शन फिल्में थीं तो इनकी आपस में तुलना हुई। तब भी प्रोड्यूसर में गुनीत ने बताया कि उन्होंने अपनी फिल्म 'किल' में बहुत कम ही जगह पर हिंसा या वॉयलेंस को दिखाया है। वह कहती हैं कि फिल्म 'किल' में हीरो बुरे लोगों से लड़ता है। गुनीत कहती हैं, 'हमने खून वाले सीं‍स को अपनी फिल्म में ग्लोरीफाई नहीं किया है। हमने स्लो मोशन में खून वाले सीन नहीं दिखाए। हमने वॉयलेंस को सेलिब्रेट नहीं किया। हमारे लिए फिल्म 'किल' आर्ट का ही उनका अपमान किया गया है जहां तक गुनीत मोंगा की फिल्म 'किल' की बात है तो उसमें हीरो का सामना ट्रेन में मौजूद कुछ लुटेरों से होता है। ये लोग, उसकी प्रेमिका को मार देते हैं। इसके बाद ट्रेन में फाइट सीं‍स दिखाए जाते हैं। हीरो क्योंकि आर्मी ऑफिसर है तो वह लुटेरों की सारी टोली को मार देता है। फिल्म में लीड रोल में लक्ष्य नजर आए, जिन्होंने अमृत राठौर का रोल निभाया।

सलीम खान का सलमान की शादी को लेकर खुलासा, दबंग चाहते हैं कि उनकी पत्नी ऐसी हो जो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान बॉलीवुड के मोस्ट एलिजिबल बैचलर है। पूरा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हर कोई दबंग की शादी की खबर सुनने के लिए बेकरार है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सलीम खान ने सलमान खान की शादी को लेकर चुका है, जिसमें कैटरीना कैफ से लेकर सोमी अली और संगीता बिजलानी जैसी अभिनेत्रियां शामिल हैं। सलमान ने हाल ही में अपना 59वां जन्मदिन मनाया है और वह अभी तक सिंगल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान सलमान के पिता सलीम खान ने दबंग

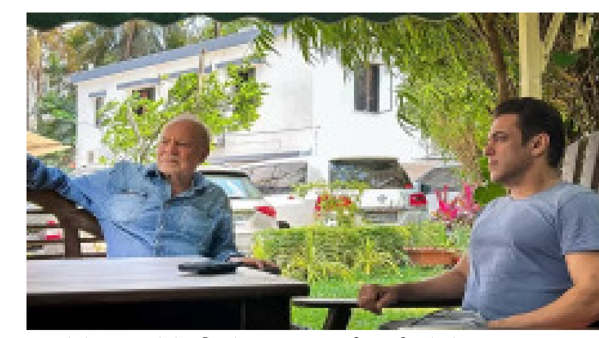

कुछ ऐसे राज खोले, जिन्हें सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। सलमान खान पिछले कई सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। हालांकि, उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के अलावा, फैंस उनकी लव लाइफ को लेकर भी उतने ही उत्सुक हैं। खास तौर पर दबंग के प्रशंसकये जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि सलमान कब और किससे शादी करेंगे। हाल ही में सलमान के पिता सलीम खान ने खुलाया किया की सलमान जब भी शादी करेंगे उनकी कुछ शर्तें होंगी। जब भी सलमान खान शादी के बंधन में बंधेंगे। उनकी अपनी पत्नी से कुछ खास शर्तें होंगी। वैसे कथित तौर पर सलमान का नाम बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों संग कई बार जुड़ की शादी को लेकर कहा, ठसलमान का पता नहीं क्या है...सलमान की एक तो इस वजह से शादी नहीं होती है कि थोड़ा सा विरोधाभास है। वह कमीटमेंट के बाद अपनी शर्तें रख दते हैं।आगे सलीम खान ने सलमान खान की शादी को लेकर कहा, ठसलमान का लगाओ या मोहब्बत... उस व्यक्ति की ओर आकर्षित होते हैं, जिसके साथ वह काम करते हैं। पहले कमा करते-करते बातचीत होती, फर वह लोग करीब आते हैं क्योंकि वो नजदीकी माहौल में रहते हैं। तो 90 प्रतिशत तो वह सलमान की फिल्म की ही कोई हीरोइन होती है। सलीम खान ने आगे बताया कि जब कमिटमेंट हो जाता है।

शाहरुख खान के साथ काम करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है', फराह खान का खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने हाल ही में शाहरुख खान के साथ काम करने का अनुभव शेयर किया

है। उनका कहना है कि किंग खान के साथ काम करना अब काफी चैलेंजिंग हो गया है। मशहूर कोरियोग्राफर और निर्माता-निर्देशक फराह खान ने इंडस्ट्री के टॉप कलाकारों के साथ काम किया है। इस लिस्ट में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी शामिल हैं। हाल ही में फराह खान ने शाहरुख के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। साथ ही यह खुलासा किया कि ऐंख् के साथ काम कर पाना अब उनके लिए पहले के मुकाबले काफी मुश्किल हो चला है। जानते हैं इसकी वजह। फराह खान ने कहा कि जब भी वे किसी नए गाने पर साथ काम करते हैं तो हर बार प्रेशर दोहरा हो जाता है। फराह ने कहा कि साथ काम करते हुए कुछ शानदार ट्रैक तैयार हुए, इसके चलते अब जब भी साथ काम करते हैं तो पहले से ज्यादा दबाव बढ़ जाता है। फराह खान ने ईटाइम्स से बातचीत में यह खुलासा किया। फराह खान ने लंबे वक्त से चल रही अपनी दोस्ती को लेकर भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने बताया कि कुछ सितारों से उनकी दोस्ती उनके स्टार बनने से पहले की हैं। फराह ने बताया कि शाहरुख खान के साथ उनकी दोस्ती 'कभी हां कभी ना' और 'दीवाना' की रिलीज होने से पहले ही शुरू हो गई थी। फराह खान ने कहा कि दशकों पुरानी दोस्ती होने के बावजूद शाहरुख खान के साथ काम करना अब समय के साथ मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर उस समय उनके साथ काम करना मुश्किल था, तो अब और भी मुश्किल है। जब भी हम किसी गाने पर काम करते हैं, तो दबाव दोगुना हो जाता है, क्योंकि हमने साथ मिलकर शानदार गाने बनाए हैं'। फराह ने यह भी कहा कि 'हैप्पी न्यू ईयर' के बाद दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की कमी के चलते उन्होंने निर्देशन से ब्रेक लिया। फराह खान ने कहा कि ब्रेक के बाद उन्होंने अपने परिवार पर पूरा फोकस किया। अपने बच्चों के साथ क्वालिटी वक्त बिताया और छुट्टियां मनाईं। उन्होंने यह भी कहा कि निर्देशन में वापसी की उनकी इच्छा है, लेकिन वे कमबैक तभी करेंगी जब कोई अच्छी स्क्रिप्ट होगी और सही समय होगा। बता दें कि फराह खान ने फिल्म 'मैं हूं ना' से निर्देशन की दुनिया में डेब्यू किया। फराह ने शाहरुख खान के 'चलेया, 'दर्द-ए-डिस्को जैसे गानों को कोरियोग्राफ किया है।

एंटीक फूलदान से लेकर 25 साल पुराने काफ्तान तक, जीनत अमान ने नए साल पर साझा की अपनी पसंदीदा चीजें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी मां और बचपन से जुड़ी कुछ चीजों के बारे में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बातें की हैं। उन्होंने बताया कि ये चीजें उनके दिल के बेहद करीब हैं। जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी पसंद है, और मेरे पास हर आकार के हूप इयररिंग्स हैं। मैं दिल से 70 के दशक की लड़की हूं? मुझे रोजाना हल्का स्नान और बॉडी वर्क का स्प्रिट पसंद है, जबकि रात में जॉय बाय डायर पसंद है। उन्होंने कहा कि ये काफ्तान भी मेरे दिल के बेहद करीब हैं। उन्होंने कहा, मैं कई दशकों से उनके बनाए कफ्तान

कुछ चुनिंदा तस्वीरों के साथ नए साल पर अपनी कुछ खास चीजों की तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि ये वो चीजें हैं जो मेरे लिए खास हैं, उन्हीं के बारे में कुछ खास बातें हैं। जीनत अमान ने पूजा घर में सजाने वाला फूलदान साझा की है। उन्होंने कहा कि इस मूर्ति को उनकी मां की धार्मिका आस्था जुड़ी है, इसलिए उनके लिए ये बहुत खास है। इसके बाद उन्होंने फ्लॉवर पॉट की तस्वीर साझा की है। इसमें ऑर्किड के फूल लगे हैं। मुझे ऑर्किड खास तौर पर पसंद है, वे बहुत लंबे समय तक टिकते हैं और बहुत खूबसूरत होते हैं। उन्होंने लिखा, मुझे हूप बहुत पहनती आ रही हूं, और उनका बनाया मेरा सबसे पुराना काफ्तान तो 25 साल भी पुराना है। जीनत अमान ने अपने कुछ बैग्स की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि ये बैग पुराने हैं, ऐसा लग सकता है कि ये ऑनलाइन मंगाए गए हैं लेकिन ये बहुत सालों से मेरे पास है इनका इस्तेमाल आज भी मैं करती हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जीनत अमान अपनी अगली फिल्म 'बन टिक्की' और 'द रॉयल्स' में नजर आ रही हैं। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ।

शोक में डूबीं ब्रिटेन के शाही परिवार की छोटी बहू मेगन मार्कल, इस अजीज ने दुनिया को कहा अलविदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ब्रिटेन के शाही परिवार की छोटी बहू व अभिनेत्री मेगन मार्कल शोक में डूबी हैं। उनके बेहद अजीज ने दुनिया को अलविदा कह अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने डॉग उल्ब् की तस्वीरें और वीडियो शामिल किए हैं। साथ ही एक लंबा नोट लिखा है। लोगों को उनके पालतू कुत्ते की भी साथ था। मैं मां बनी तो इस खुशी के पल में भी वह साथ रहा। तमाम खुशनुमा पल उसने हमारे साथ साझा किए'।मेगन ने आगे लिखा, 'मेरे यूके जाने से कुछ समय

दिया है। यह अजीज कोई और नहीं, बल्कि उनका पालतू कुत्ता उल्ब् है, जिसकी याद में मेगन ने दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा है।अभिनेत्री और डचेज ऑफ ससेक्स मेगन मार्कल के पालतू कुत्ते उल्ब् ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। मेगन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि की है। उन्होंने अपने पालतू कुत्ते के लिए एक इमोशनल पोस्ट साझा कर श्रद्धांजलि दी है। ब्रिटेन के शाही घराने की छोटी बहू ने बताया कि उल्ब् उनकी जिंदगी में शादी से लेकर सीरीज की शूटिंग तक के अहम और खुशहाल पलों में शामिल रहा। उसका जाना उनकी जिंदगी में एक खालीपन दे गया है। मेगन मार्कल ने अपने इंस्टाग्राम झलक मेगन के आगामी शो में दिखाई देगी, जिसका प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा। मेगन ने पोस्ट में बताया कि उन्होंने साल 2015 में पालतू कुत्ते को कनाडा में एक रेस्क्यू से गोद लिया था। मेगन ने लिखा, 'वह केंटकी में एक किल शेल्टर में था और उसे जीने के लिए कुछ दिन दिए गए थे। मैंने उसे उठाया...और उससे प्यार हो गया। उसे सब 'लिटिल गाइ' कहते थे, क्योंकि वह बहुत छोटा और कमजोर था'। मेगन ने आगे लिखा, 'अगर आपने मुझे इंस्टाग्राम पर फॉलो किया है, तो आपने उसे बहुत बार मेरे साथ तस्वीरों और वीडियो में देखा होगा। वह सूट्स में मेरे साथ था। मेरी जब सगाई हुई और फिर शादी में पहले ही उसका भयानक एक्सीडेंट हुआ। इस वजह से कई महीनों तक सर्जरी करानी पड़ी और वह क्लिनिक से बाहर नहीं जा सका। डॉक्टरों ने कहा कि वह फिर कभी नहीं चल पाएगा, लेकिन डॉ. नोएल फिट्जपैट्रिक ने कहा कि वह चल सकता है। सभी डॉक्टरों ने उसका बहुत ख्याल रखा और प्यार दिया, मैं इसके लिए उनकी शुक्रगुजार हूं। आप सभी गाइ को मेरी नई सीरीज में देख सकेंगे'। मेगन ने लिखा है, 'बिना किसी शर्त इतना प्यार करने और हमारी जिंदगी में खुशियां देने के लिए शुक्रिया उल्ब'। बता दें कि मेगन का शो 'विद लव, मेघन' का प्रीमियर 15 जनवरी, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होगा।

जान ले लेगी ये इंडस्ट्री', मनोज बाजपेयी ने किया सुशांत सिंह राजपूत को चेतावनी देने का खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मनोज बाजपेयी ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ अपने गहरे रिश्ते को साझा किया, जो सोनचिरैया में उनके सह-कलाकार भी थे।बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ अपने रिश्ते पर चर्चा की। सुशांत ने जून 2020 में मुंबई के बांद्रा में अपने मोंट ब्लांक अपार्टमेंट में 34 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। मनोज बाजपेयी ने खुलासा किया कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत ने उन्हें बहुत प्रभावित किया, जिससे वह तीन महीने तक परेशान रहे हाल ही में मिड दे को दिए साक्षात्कार में मनोज बाजपेयी ने बताया कि सुशांत के इस तरह के कठोर कदम उठाने के पीछे के कारण अभी भी अज्ञात हैं और लोग उनकी मौत के बारे में केवल अनुमान लगा रहे हैं। उन्होंने कहा,' मैं कह सकता हूं कि वह पागल आदमी नहीं थे। वह बहुत सी चीजों में पारंगत थे। वह एक बहुत बड़े पाठक थे। मैंने उन्हें सेट पर और सेट के बाहर हर समय पढ़ते हुए पाया। उन्हें क्वांटम फिजिक्स का बहुत ज्ञान था। वह मुझसे अध्यात्म के बारे में बात करते थे और इसकी तुलना क्वांटम फिजिक्स से करते थे। वह एक शानदार दिमाग वाले व्यक्ति थे।' उन्होंने कहा कि मैं किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहता, क्योंकि मुझे नहीं पता कि उसके साथ क्या हुआ। यहां तक कि सीबीआई भी अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। मनोज ने आगे बताया कि सुशांत की मौत की खबर ने उन्हें बुरी तरह प्रभावित किया, जिससे वह तीन महीने तक दुखी रहे, क्योंकि वह राजपूत को व्यक्तिगत रूप से और करीब से जानते थे। उन्होंने कहा, 'जहां तक इंडस्ट्री की बात है। हम इंडस्ट्री और इसकी राजनीति के बारे में बातें करते थे। मैं हमेशा उनसे कहता था कि मोटी चमड़ी मत रखो तो यह जान मार देगी तुम्हारी। मेरी चमड़ी मोटी थी, क्योंकि मैंने कई बार रिजेक्शन का सामना किया है। यह मेरे जीवन का हिस्सा था, लेकिन मेरे कई दोस्तों की चमड़ी इतनी मोटी नहीं थी। वे मेरी तरह रिजेक्शन का सामना नहीं कर सकते थे।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।